राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 01 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–250 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के लोगों को डीडीए ने दी 30 नवंबर की डेडलाइन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने मुखर्जी नगर में सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के निवासियों राहत देते हुए 30 नवंबर तक परिसर खाली करने को कहा है। इसके बाद 'असुरक्षित' और 'संरचनात्मक रूप से कमजोर' इमारत को ध्वस्त कर दिया जाएगा और पुनर्निर्माण किया जाएगा। इस हफ्ते की शुरुआत में, डीडीए ने निवासियों को अंतिम समझौते की पेशकश की। उन्हें दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय दिया गया है। इसके बाद समझौते के अनुसार, निवासियों को खाली करने के लिए 45 दिन का समय मिलेगा। समझौते में यह भी कहा गया है कि, 30 नवंबर के बाद डीडीए इलेक्ट्रिकल और रखरखाव जैसी सभी सेवाएं वापस ले लेगा। समझौते में कहा गया है, प्रभावी तिथि के अंत तक, प्राधिकरण और आरडब्ल्यूए संयुक्त रूप से आवासीय परिसर को खाली करने के लिए एक उचित योजना तैयार करने के लिए स्थिति का आकलन करेंगे। आवासीय परिसर की सभी सेवाएं समाप्ति के बाद डीडीए द्वारा वापस ले ली जाएंगी। निकासी की तारीख 30 नवंबर है। प्राधिकरण एक साथ लेआउट योजना को अंतिम रूप देने के लिए आगे बढ़ेगा और संरचना के समय पर विध्वंस सहित पुनर्निर्माण योजना के संबंध में सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करेगा। रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने कहा कि वे सभी निवासियों को निकासी में तेजी लाने के लिए जल्द से जल्द समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जनवरी में, एलजी वीके सक्सेना ने आदेश दिया था कि एसवीए टावरों को ध्वस्त करने के बाद पुनर्निर्माण किया जाए। ऐसा आईआईटी-दिल्ली की उस रिपोर्ट के आधार पर कहा गया था जिसमें इमारत को संरचनात्मक रूप से कमजोर बताया गया था। साथ ही कहा गया था कि कच्चे माल में इस्तेमाल की गई उच्च क्लोराइड सामग्री के कारण यह और कमजोर हो जाएगी। एसवीए परिसर में कुल 12 टावर हैं। डीडीए ने एसवीए निवासियों को दो विकल्प दिए हैं - बाय बैक और पुनर्निर्माण। आरडब्ल्यूए दोनों विकल्पों की शर्तों पर सहमत हो गई है। समझौते में कहा गया है कि सभी फ्लैट मालिकों द्वारा खाली करने के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के बाद ही डीडीए द्वारा किराये की पेशकश की जाएगी।

संकल्प सप्ताह का आगाज

पीएम मोदी बोले- आकांक्षी जिला कार्यक्रम से 112 जिलों में 25 करोड़ लोगों की जिंदगी बदली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ही सब कर लेगी, इस सोच से हमें बाहर आना है। समाज की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। जिन-जिन ब्लॉक्स या जिलों में समाज को जोड़ने की ताकत है, मेरा अनुभव है, वहां परिणाम जल्दी मिलते हैं। यही कारण है कि आज स्वच्छता के अभियान ने अपनी जगह बना ली है और एक वातावरण बन गया है कि गंदगी नहीं करनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में देश में आकांक्षी ब्लॉकों के लिए 'संकल्प सप्ताह' का शुभारंभ किया। 'संकल्प सप्ताह' आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के प्रभावी कार्यान्वयन से जुड़ा है। आकांक्षी ब्लॉकों के लिए चलने वाले कार्यक्रम 'संकल्प सप्ताह' सप्ताह भर चलेगा। इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम ने 112 जिलों में 25 करोड़ से अधिक लोगों की जिंदगी बदल दी है। कार्यक्रम की सफलता अब आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का आधार बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में ब्लॉक पंचायतों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। जब हर ग्राम पंचायत काम तेजी से करेगी तो ही हर ब्लॉक का विकास तेजी से होगा। जो लोग इस मिशन से जुड़े हैं, मैं सभी लोगों को

बधाई देता हूं, धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि अभी जो लोग यहां (भारत मंडपम) आए हैं, वो देश के दूर-सुदूर गांवों की चिंता करने वाले लोग हैं। आखिरी छोर पर बैठे हुए परिवार की चिंता करने वाले लोग हैं। उनकी भलाई के लिए योजनाओं को आगे बढ़ाने वाले लोग हैं और इसी महीने यहां वो लोग भी बैठे थे, जो दुनिया को दिशा देने का काम करते थे।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत मंडपम, जहां विश्व नेता वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए थे, अब उन व्यक्तियों की मेजबानी कर रहा है जो जमीनी स्तर पर बदलाव लाते हैं। मेरे लिए यह शिखर सम्मेलन ज20 शिखर सम्मेलन जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला प्रोग्राम के लिए हमने बहुत ही सरल रणनीति से काम किया है, क्योंकि सर्वांगीण विकास, सर्व-स्पर्शी विकास, सर्व-हितकारी विकास ये अगर हम नहीं करते हैं तो आंकड़े भले संतोष भी दें, लेकिन मूलत- परिवर्तन संभव नहीं होता है। इसलिए आवश्यक है कि ग्रासरूट पर परिवर्तन करते हुए हमें आगे बढ़ना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ही सब कर लेगी, इस सोच से हमें बाहर आना है। समाज की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। जिन-जिन ब्लॉक्स या जिलों में समाज को जोड़ने की ताकत है, मेरा अनुभव है, वहां परिणाम जल्दी मिलते हैं। यही कारण है कि आज स्वच्छता के अभियान ने अपनी जगह बना ली है और एक वातावरण बन गया है कि गंदगी नहीं करनी है।

सात जनवरी, 2023 को पीएम मोदी ने लॉन्च किया था

राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम सात जनवरी, 2023 को पीएम मोदी ने लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए ब्लॉक स्तर पर प्रशासन में सुधार करना है। इसे देश के 329 जिलों के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू किया जा रहा है। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम को लागू करने तथा एक प्रभावी ब्लॉक विकास रणनीति तैयार करने के लिए देश भर में गांव और ब्लॉक स्तर पर चिंतन शिविर आयोजित किए गए। 'संकल्प सप्ताह' इन्हीं चिंतन शिविरों का परिणाम है। उद्घाटन कार्यक्रम में भारत मंडपम में देश भर से लगभग 3,000 पंचायत और ब्लॉक स्तर के जन प्रतिनिधि और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसके अलावा ब्लॉक और पंचायत स्तर के पदाधिकारियों, किसानों और अन्य क्षेत्रों के व्यक्तियों सहित लगभग दो लाख लोग कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे।

हर दिन अलग थीम-तीन अक्तूबर से नौ अक्तूबर, 2023 तक मनाए जाने वाले 'संकल्प सप्ताह' में प्रत्येक दिन एक विशिष्ट विकास थीम को समर्पित है, जिस पर सभी आकांक्षी ब्लॉक काम करेंगे। पहले छह दिनों की थीम में 'संपूर्ण स्वास्थ्य', 'सुपोषित परिवार', 'स्वच्छता', 'कृषि', 'शिक्षा' और 'समृद्धि दिवस' शामिल हैं। सप्ताह के अंतिम दिन यानी नौ अक्तूबर, 2023 को पूरे सप्ताह के दौरान किए गए कार्यों का 'संकल्प सप्ताह-समावेश समारोह' उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

महाराष्ट्र में सरकारी कर्मचारियों का होगा जातिगत सर्वेक्षण

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकारी कर्मचारियों का जातिगत सर्वेक्षण होगा। राज्य सरकार ने यह घोषणा करते हुए कहा है कि इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी। समिति में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भी होंगे।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे , उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार सरकार का यह बड़ा फैसला माना जा रहा है। बताया गया है कि ओबीसी समाज के प्रतिनिधियों से शुक्रवार को मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने देररात आरक्षण मुद्दे पर चंद मंत्रियों की बैठक बुलाई। इस बैठक में सरकारी नौकरियों में ओबीसी कर्मचारियों के

कम अनुपात को लेकर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने रिपोर्ट पेश की। भुजबल ने कहा कि ओबीसी समुदाय का आरक्षण 27 फीसदी है, लेकिन सरकारी नौकरियों में ओबीसी समुदाय का अनुपात 7 से 8 फीसदी है। इस पर अजित पवार ने कुछ आपत्ति जताई। इसके बाद बैठक में ही सरकारी कर्मचारियों का जातिगत सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया गया।

मटन खाकर भी वोट नहीं दिया, इस चुनाव में चाय तक नहीं पिलाऊंगा

नितिन गडकरी का ऐलान

नई दिल्ली। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन गडकरी ने कहा है कि वह चुनाव प्रचार के दौरान अपने लोकसभा क्षेत्र नागपुर में कोई बैनर या पोस्टर नहीं लगवाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि लोगों को चाय तक नहीं पिलाएंगे। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के वाशिम में तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान नितिवन गडकरी ने ये बातें कही हैं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस घोष वाक्य को भी दोहराया जिसमें वह कहते हैं, 'ना खाऊंगा और ना किसी को खाने दूंगा।'

गडकरी ने कहा, 'इस लोकसभा चुनाव के लिए मैंने फैसला किया है कि कोई बैनर या पोस्टर नहीं लगाया जाएगा। लोगों को चाय नहीं दी जाएगी। जिन्हें वोट देना है वे वोट देंगे और जिन्हें नहीं देना है वे नहीं देंगे। न ही मैं रिश्वत लूंगा और न ही मैं किसी को लेने दूंगा। मुझे विश्वास है कि मैं

ईमानदारी से आप सभी की सेवा कर सकूंगा।' इससे पहले जुलाई में नितिन गडकरी ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा था कि उन्होंने एक बार चुनाव के दौरान मतदाताओं को मटन उपलब्ध कराया था, लेकिन फिर भी वह हार गए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मतदाताओं के प्रति विश्वास और प्यार पैदा करके चुनाव जीता जा सकता है। गडकरी ने कहा कि मतदाता बहुत होशियार हैं और उन्हें हर उम्मीदवार से चुनावी सौगात मिली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोग उसी उम्मीदवार को वोट देते हैं जो उन्हें लगता है कि उनके लिए सही है। गडकरी ने कहा, लोग अक्सर पोस्टर लगाकर और चुनावी उपहार देकर चुनाव जीतते हैं। हालांकि मैं ऐसी रणनीतियों में विश्वास नहीं करता हूं। मैंने एक बार एक प्रयोग किया था और मतदाताओं को एक किलो मटन दिया था, लेकिन हम चुनाव हार गए। मतदाता बहुत स्मार्ट हैं। आपको बता दें कि नितिन गडकरी ने 2014 और 2019 में नाहपुर सीट से लोकसभा का चुनाव जीता था।

राजधानी में एनआईए की छापेमारी, तीन आईएसआईएस आतंकियों की तलाश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली में आईएसआईएस आतंकियों की तलाश कर रही है। तीन आतंकियों के राजधानी में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। मीडियो रिपोर्ट्स के अनुसार, आतंकियों के नाम मोहम्मद शाहनवाज आलम उर्फ शैफी उज्जमा उर्फ अब्दुल्ला, रिजवान अब्दुल हाजी अली और अब्दुल्लाह फयाज शैख हैं। एनआईए ने इनपर तीन-तीन लाख रुपये का इनाम रखा है। पिछले दिनों एनआईए ने गैंगस्टर और खलिस्तानी-आतंकियों के खिलाफ बड़ा फैसला लेते हुए देश के कई राज्यों में छापेमारी की थी। गैंगस्टरों की तलाश में एनआईए ने दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तराखंड के 50 से ज्यादा इलाकों में छापेमारी की थी। एनआईए ने यह कदम आतंकवादियों और ड्रग्स डीलर्ज के बीच साठगांठ को खत्म करने के मकसद से उठाया। दरअसल, भारत में बैठे आतंकी मददगार विदेशों में रहे रहे आतंकियों और गैंगस्टरों को हवाला चैनल के माध्यम से हथियार और ड्रग्स की सप्लाई करते हैं।

गिरिराज सिंह असली हिंदू नहीं; भाई वीरेंद्र के बिगड़े बोल, आरजेडी ने पल्ला झाड़ा

पटना। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव 2024 और बिहार विधानसभा चुनाव 2025 नजदीक आ रहे हैं वैसे बिहार की राजनीति में विवादित बयानों का सिलसिला तेज होता जा रहा है। राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा के ठाकुर कविता वाले बयान का मामला थमा भी नहीं था कि राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने भूचाल पैदा करने वाला बयान दे दिया है। भाई वीरेंद्र ने केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के कट्टर हिंदूवादी नेता गिरिराज सिंह पर बड़ा हमला किया है। न्यूज़ चैनल के पत्रकारों से बातचीत में भाई वीरेंद्र ने कहा है कि गिरिराज सिंह असली हिंदू नहीं है। उनके पिता अंग्रेजों के दलाल थे। हालांकि, राष्ट्रीय जनता दल ने अपने नेता के बयान से किनारा कर लिया है।

लालू यादव सनातन को खत्म करने के लिए जातीय तनान बढ़ा रहे, गिरिराज सिंह का जोरदार हमला

दरअसल पत्रकारों ने भाई वीरेंद्र से सवाल किया कि नीतीश कुमार एक तरफ एक मस्जिद जैसे धार्मिक स्थलों के लिए फंड देते हैं और हिंदुओं पर दंगाई बताकर एफआईआर दर्ज करवाते हैं और उन्हें गिरफ्तार करवाते हैं, ऐसा गिरिराज सिंह का कहना हैं। यह सुनते ही भाई वीरेंद्र भड़क गए और उन्होंने कहा सच्चाई यह है कि गिरिराज सिंह असली हिंदू है ही नहीं। ये तो अंग्रेजों के दलाल के बेटे हैं। उनके पिता अंग्रेजों के दलाल थे। जो दलाल का बेटा हौगा, नाथूराम गोडसे का बेटा होगा उसे कभी हिन्दुस्तान से प्रेम होगा ही नहीं। हालांकि भाई वीरेन्द्र की पार्टी आरजेडी ने ही उनके बयान से पल्ला झाड़ लिया है। प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा है कि यह उनकी निजी राय है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत वक्तव्यों को पार्टी के दृष्टिकोण से नही देखा जाना चाहिए। भाई वीरेन्द्र ने क्या देखा और क्या समझा और क्यों कहा इसके बारे में जानकारी नहीं है। हो सकता है कि कई फोटो उनके जारी हुए हैं जिसमें वे नॉन वेज खा रहे थे तो इस संदर्भ में व्यक्तिगत तौर पर कहा गया हो। इस देश में कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मानता हो हर हिन्दुस्तानी को इसका अधिकार है। मानव को यह स्वतंत्रता प्राप्त है कि वह किस धर्म को माने। हमलोग किसी को कोई सर्टिफिकेट नहीं दे सकते। हमलोग मानव हैं और मानवता के धर्म को मानते हैं। पिछले दिनों बेगूसराय में शिवलिंग तोड़े जाने की घटना पर गिरिराज सिंह ने कहा था कि नीतीश कुमार की सरकार हिन्दु पक्ष के लोगों को गिरफ़्तार कर जेल भेजवा रही है और कांड के आरोपियों को नहीं पकड़ रही है। रामचरितमानस पर मंत्री चंद्रशेखर के बयान पर कई बार वे कह चुके हैं कि राजद के नेता हिंदु धर्म और सनातन को खत्म करने के लिए काम करते हैं। गिरिराज सिंह अक्सर कहते हैं कि देश में हिंदुत्व और सनातन पर सोची समझी साजिश के तहत हमले हो रहे हैं।

एमपी में ग्वालियर-चंबल से लेकर मालवा तक कांग्रेस की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक बार फिर सत्ता की डगर आसान नहीं दिख रही है। चुनाव पूर्व सामने आया एक सर्वे सचमुच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ही दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं की भी मुश्किलें बढ़ाने वाला है। इस सर्वे में जहां कांग्रेस की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में वापसी और ग्वालियर-चंबल से लेकर मालवा तक कांग्रेस का दबदबा दिख रहा है। वहीं, भाजपा की मध्य प्रदेश की सत्ता से विदाई होती दिख रही है।

ताजा सर्वे के अनुसार, मध्य प्रदेश में अगर आज विधानसभा चुनाव कराए जाएं तो इस बार राज्य की कुल 230 सीटों में से बीजेपी को 102-110 सीटें, जबकि कांग्रेस को 118-128 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। यह सर्वे 20 सितंबर 2023 को किया गया है। वहीं, इससे पहले 16 जुलाई 2023 को किए गए सर्वे पर नजर डालें तो तब बीजेपी को 105-115 सीटें, जबकि कांग्रेस को 114-124 सीटें और 0-2 सीटें अन्य को मिलने का अनुमान लगाया गया था।

BJP के दांव में फंसी कांग्रेस? MP में चुनावी रणनीति बदलने का दबाव बढ़ा

अगर 20 सितंबर वाले सर्वे में वोटिंग प्रतिशत पर नजर डालें तो इस BJP को 42.80 प्रतिशत, जबकि विपक्ष में बैठी कांग्रेस को इस बार 43.80त्न और अन्य को 13.40त्न वोट मिलने का

अनुमान है। हालांकि, भाजपा और कांग्रेस के वोट प्रतिशत में महज 1 फीसदी का मामूली अंतर दर्शाया गया है, लेकिन सीटों के हिसाब से यह अंतर काफी बड़ा फासला है।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में भाजपा की हालत बहुत खराब

इस सर्वे को अगर क्षेत्रवार देखें तो ग्वालियर-चंबल से लेकर मालवा तक कांग्रेस का ही दबदबा दिख रहा है। मालवा क्षेत्र की कुल 66 सीटों में से बीजेपी को 20-24 सीटें, जबकि कांग्रेस को 41-45 सीटें और अन्य को 0-1 सीट मिलने का अनुमान है। वहीं, अगर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र पर नजर डालें तो यहां भाजपा की स्थिति बहुत खराब दिख रही है। यहां की कुल 34 सीटों में से भाजपा को 4-8 सीटें, जबकि कांग्रेस को 26-30 सीटें और अन्य को 0 सीट मिलने का अनुमान है।

खास बात यह है कि 20 सितंबर को किए गए इस ताजा सर्वे में भाजपा जहां पहले से कमजोर हुई होती दिख रही हैं, वहीं कांग्रेस और मजबूत होकर उभर रही है। जानकारों का मानना है कि अगर यह सर्वे सच साबित हुआ तो मध्य प्रदेश में भाजपा की सत्ता से विदाई पक्की है।

भाजपा ने एमपी के सियासी समर को बनाया भीषण

भाजपा ने इस बार अपने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते तथा पार्टी के कई अन्य सांसदों को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में उतारकर इस सियासी जंग को भीषण बना दिया है। मंत्रियों के अलावा जिन लोकसभा सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया गया है, उनमें राकेश सिंह, गणेश सिंह, रीति पाठक और उदय प्रताप सिंह शामिल हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इंदौर-1 से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को दिमनी निर्वाचन क्षेत्र से, प्रह्लाद पटेल को नरसिंहपुर से और कुलस्ते को निवास सीट से मैदान में उतारा गया है। गौरतलब है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 114 सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा को 109 सीट मिली थी। हालांकि, कुछ विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस सरकार गिर गई थी। मार्च 2020 में शिवराज सिंह चौहान के नए कार्यकाल के साथ भाजपा सत्ता में लौटी थी।

संपादकीय

कनाडा को संदेश

अलगावादियों के प्रति कनाडा का लगाव भारत ही नहीं, श्रीलंका और बांग्लादेश के भी निशाने पर आ गया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन ने दोटूक कहा है कि कनाडा हत्यारों का गढ़ बन गया है। उन्होंने बांग्लादेश के जनक शेख मुजीबुर रहमान के हत्यारे का प्रत्यर्पण न करने के लिए कनाडा की तीखी आलोचना की है। बांग्लादेश के मंत्री की टिप्पणी तब आई है, जब भारत लगातार अपनी नाराजगी का इजहार कर रहा है। कनाडा ने एक घोषित आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का दोष भारत पर मढ़ दिया है, पर अभी तक प्रमाण पेश नहीं किए हैं। इस वजह से भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। भारत की शिकायत के साथ बांग्लादेश ने भी अपना स्वर मिला दिया है। यह सच है कि कनाडा कथित उदारवादी लोकतंत्र के नाम पर कई देशों के चरमपंथियों व अपराधियों को प्रश्रय दिए हुए है। बांग्लादेश के अलावा श्रीलंका के विदेश मंत्री ने भी कनाडा को आड़े हाथों लिया है। दरअसल, लंबे समय से कनाडा आगे बढ़-बढ़कर श्रीलंका की आलोचना करता आया है। यह सच है, अनेक देशों की तरह कनाडा को भी आतंकी संगठन लिट्टे द्वारा की गई हिंसा नजर नहीं आती, पर श्रीलंका सरकार पर ये देश नरसंहार के आरोप लगाते रहे हैं। आज भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश जैसे देशों के लिए यह जरूरी है कि ये अपनी आवाज उठाएं, ताकि पश्चिमी देशों का नजरिया बदले। मानवाधिकार और कथित उदारवाद के नाम पर पश्चिम के देशों को भारत जैसे देश की आलोचना करने की आदत-सी पड़ गई है। पश्चिम के अनेक देश अपराधियों को भी स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नाम पर आश्रय देने लगे हैं। आतंकी निज्जर के मामले में यह बात सामने आ गई है कि उसके साथ कनाडा के खुफिया अधिकारी मिला करते थे। क्या कनाडा के खुफिया अधिकारियों को यह पता नहीं होगा कि निज्जर का मकसद क्या है? जो कनाडा सरकार आए दिन खालिस्तान समर्थकों को प्रदर्शन की छूट दे रही है, क्या उसे पता नहीं है कि भारत ने कितनी कुर्बानी देने के बाद पंजाब में शांति कायम की है और पंजाब में लगातार लोकतांत्रिक ढंग से सरकारें चुनी जा रही हैं? वह आखिर भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका में अतिवादी तत्वों को क्यों बढ़ावा देना चाहता है? कनाडा को वास्तविक लोकतांत्रिक उदारवाद की ओर लौटना चाहिए। अतिवाद को प्रश्रय देने का परिणाम पाकिस्तान से बेहतर भला कौन जानता है? आतंकवाद को प्रश्रय देते-देते पाकिस्तान आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक बदहाली की खाई में पहुंच गया है। भारत ने बार-बार कहा है कि पड़ोसी देश आतंकवाद का रास्ता त्याग दे, उनका पक्ष न ले, लेकिन पाकिस्तान ने अच्छी सलाह पर कान देना कभी मुनासिब नहीं समझा। नतीजा सामने है। आतंकवादियों को पालने-पोसने वाला पाकिस्तान आज स्वयं आतंकित है। शुक्रवार को बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में एक मस्जिद के पास धार्मिक सभा पर आत्मघाती हमले में 50 से अधिक लोगों की जान जाने की खबर है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की एक मस्जिद में भी विस्फोट हुआ, जिसमें कई लोगों की मौत हुई है। आतंकवाद व कट्टरता को बढ़ावा देते हुए पाकिस्तान ने अपने लिए ऐसे हालात पैदा कर लिए हैं कि मस्जिद आना भी सुरक्षित नहीं रहा। कनाडा जैसे कथित उदारवादी देश को भी अतिवादियों को प्रश्रय देने से बाज आना चाहिए और समग्र दक्षिण एशिया में अमन-चैन को बढ़ावा देने के बारे में सोचना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी का एक माह में 85 देशों के नेताओं से मिलना

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 30 दिनों तक विदेशी नेताओं के साथ बैठकें कर जो संवाद स्थापित किया, उसने आज अपने आप में एक रिकार्ड बना लिया है। भारत को छोड़ कर दुनिया का शायद ही कोई देश होगा, जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्र प्रमुख ने एक माह में 85 देशों के प्रमुख नेताओं से संपर्क साधा और कूटनीति की कुर्सी पर अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उससे अपने लाभ के नितिगत निर्णयों में हां करवाई होगी। वस्तुतः इस संदर्भ में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बताया भी कि कैसे पिछले 30 दिन में भारत की कूटनीति एक नयी ऊंचाई पर पहुंची है। जी-20 से पहले दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन हुआ और भारत के प्रयास से ब्रिक्स समुदाय में छह नए देश शामिल किए गए। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह यूनान गए जो गत 40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। पीएम मोदी ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन से ठीक पहले उन्होंने इंडोनेशिया में भी विश्व के अनेक नेताओं के साथ बैठकें कीं। इस तरह से देखें तो गत 30 दिनों के अल्प समय में 85 देशों के नेताओं से उन्होंने न सिर्फ संपर्क किया बल्कि सार्थक संवाद के माध्यम से उन्हें भारत के हितों में उनके हित निहित हैं इस बात से ठीक तरह से अवगत करा दिया है। निश्चित ही इससे आज भारत की कूटनीति एक नयी ऊंचाई पर पहुंची है। सच पूछिए तो प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की इस पहल से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की वास्तविक क्षमता और भूमिका को महसूस किया जा सकता है। आज वे दिन याद आते हैं जब प्रधानमंत्री मोदी मई 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने पहला विदेश दौरा अगस्त 2014 में जापान का किया था। वहां पीएम मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिंजो आबे के साथ तालमेल स्थापित किया। पिछले साल जुलाई में जब उनके दोस्त की हत्या हुई तो पीएम मोदी को गहरा दुख हुआ था। वह अपने दोस्त के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने जापान गए थे। विदेश नीति और कूटनीति के स्तर पर उन्होंने सार्क देशों के सभी प्रमुखों की उपस्थिति में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया और दूसरे की शुरुआत में बिम्सटेक नेताओं को आमंत्रित किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके संबोधन की हर बार दुनिया भर में सराहना हुई है । पीएम मोदी 17 साल की लंबी अवधि के बाद नेपाल, 28 साल के बाद ऑस्ट्रेलिया, 31 साल के बाद फिजी और 34 साल के बाद सेशेल्स और यूएई के द्विपक्षीय दौरे पर जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। पदभार संभालने के बाद से मोदी ने यूएन, ब्रिक्स, सार्क और G-20 समिट में भाग लिया और अपने यहां भी सफलतम आयोजन कराया, जिसकी कि आज पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की दृष्टि विश्व को देना हो या यह नारा कि वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर अर्थात् एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य करते हुए समस्त विश्व को एक छाते के नीचे लाना जिसमें कि अफ्रीकी संघ का जी-20 में स्थायी सदस्य के रूप में सम्मिलित करने के मोदी के प्रयासों को मिली सफलता को आज प्रमुखता से देखा जा सकता है। कई अफ्रीकी देशों की प्रतिक्रिया अभूतपूर्व है, किसी ने कहा, 'भारत दुनिया की पांचवीं महाशक्ति है, इस कारण अफ्रीका में हिंदुस्तान के लिए पर्याप्त जगह है। हम यह भी जानते हैं कि इंडिया इतना शक्तिशाली है कि वो स्पेस पर पहुंच गया, हमें बस समन्वय करने की जरूरत है, भारत अब चीन से आगे है।' तो कोई यह बोला कि 'जी-20 में शामिल किये जाने की हम लंबे समय से वकालत कर रहे थे, किंतु सफलता भारत के प्रधानमंत्री मोदी के कारण मिली। जी-20 में एयू की भागीदारी से अफ्रीकी महाद्वीप की आवाज को वैश्विक मंच पर अधिक प्रभावशाली तरीके से रखा जा सकेगा।' इसके साथ यह भी प्रतिक्रिया सामने आई कि अफ्रीकी और अन्य विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के रूप में, हमें गरीबी, असमानता और बेरोजगारी जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों के बीच अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की बाध्यता का सामना करना पड़ता है, लेकिन अब हमारे साथ ऐसा नहीं होगा, यह उम्मीद की जा सकती है। देशभर में करीब 200 आयोजनों के साथ नरेंद्र मोदी की सरकार ने जी20 को पूरे भारत में दिलचस्पी के केंद्र में ला दिया। भारत ने सम्मेलन से सिलसिले में हुए आयोजनों का आर्थिक फायदा भी उठाया। देश के 200 शहरों में बैठकों के आयोजन का मतलब था, दुनिया भर के प्रतिनिधियों को उन शहरों तक ले जाना और उसके लिए न सिर्फ आयोजन और सुरक्षा की बल्कि रहने सहने की व्यवस्था करना। निश्चित तौर पर इससे पर्यटन की एक संरचना बनी जिसका फायदा भारत को मिलना शुरू भी हो गया है। वास्तव में यह भारत की विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोई छोटी उपलब्धि नहीं रही है। इस वैश्विक सम्मेलन जी20 में विभिन्न वैश्विक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर भारत के विचारों को व्यापक रूप से सराहा गया है, उसे स्वीकार्यता मिली है। इसे मोदी का प्रभावी व्यक्तित्व माना जाएगा कि उन्हें सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज सैश', रूस के शीर्ष सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टले सम्मान', फिलिस्तीन के 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन' सम्मान, अफगानिस्तान के 'अमीर अमानुल्ला खान अवॉर्ड', यूएई के 'जायेद मेडल' और मालदीव के 'निशान इज्जुद्दीन' सम्मान जैसे सर्वश्रेष्ठ सम्मानों से सम्मानित किया गया है। शांति और विकास में उनके योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित सियोल शांति पुरस्कार दिया गया है।वस्तुतः यह मोदी की कूटनीतिक क्षमता ही है कि ' अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाने के नरेन्द्र मोदी के आग्रह को संयुक्त राष्ट्र में अच्छी प्रतिक्रिया मिली। पहले दुनिया भर में कुल 177 राष्ट्रों ने एक साथ मिलकर 21 जून को संयुक्त राष्ट्र में ' अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया और फिर उसके बाद से इसका हर साल सफलता से आयोजन पूरी दुनिया में एक साथ हो रहा है। निश्चित ही जो करिश्मा आज तक दुनिया का कोई देश नहीं कर पाया, वह भारत ने कर दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर भारत की सफलता और साख के नए कीर्तिमान गढ़े हैं। उन्होंने जहां एक ओर अपनी सफल कूटनीति से अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान और रूस सरीखे ताकतवर देशों को अपना मुरीद बनाया है वहीं विस्तारवादी चीन और पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर करारी पटकनी दी है। अंत में यही कि प्रधानमंत्री मोदी का एक माह में 85 देशों के नेताओं से मिलना अपने आप में बहुत मायने रखता है। राजनीतिज्ञों, राजनयिकों, अर्थशास्त्रियों और अन्य विशेषज्ञों भी यह स्वीकार्य करते हैं कि उन्होंने अपनी दूरदृष्टि से भारत को वैश्विक मामलों में एक प्रमुख हितधारक बना दिया है। पीएम मोदी अपने आप में एक मजबूत नेता ही नहीं, बल्कि कहा जाए कि एक ऐसा व्यक्तित्व है, जो जिससे मिलते हैं उसे अपने सांचे में ढाल देते हैं, यही कारण है कि दुनिया भर में भारत की छवि आज शक्तिशाली देश के रूप में सामने आई है। उन्हीं के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था जो विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उनके कार्यकाल में सबसे अधिक आबादी वाले इस देश से पश्चिम देश मित्रता के लिए आतुर हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

बाघ परियोजनाः पांच दशक, बड़ी कसक

– डॉ. रमेश ठाकुर

भारत में बाघ परियोजना मुहिम ने अपने 50 साल पूरे कर लिए । पूरे देश में कुल 53 टाइगर रिजर्व क्षेत्र हैं, लेकिन अफसोस इनमें कुछ बाघ रिजर्व क्षेत्र ऐसे हैं जहां एक भी बाघ नहीं हैं? ये हम नहीं, बल्कि पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़ों ने बताया है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की माने तो गुजरे चार वर्षों में देश भर में 715 बाघों की संख्या बढ़ी। इस समय कुल 3682 बाघ देश में हैं। इसके साथ ही ये भी बताया गया है कि तेलंगाना का कवल टाइगर रिजर्व, मिजोरम का डम्पा टाइगर रिजर्व क्षेत्र, अरुणाचल प्रदेश का कमलेंग, ओडिशा का सतकोसिया और सहायद्री स्थित बाघ रिजर्व क्षेत्र एकदम बाघ हीन हैं, वहां बाघ विलुप्त हो गए हैं। कुछ असमय मर गए, तो कुछ शिकारियों के शिकार हो गए। हालांकि शिकारियों के हाथों मरे बाघों के संबंध में रिपोर्ट में नहीं बताया गया है। पर, ये तल्ख सच्चाई है जिसे सरकार भी मानती है कि इस वक्त पूरे देश में बाघों का शिकार करने के लिए संगठित गिरोह सक्रिय है। इनका डेरा टाइगर रिजर्व क्षेत्रों के आसपास ज्यादा है। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाघ, शेर, चीते व अन्य जंगली जानवरों के अवशेषों की भारी डिमांड रहती है। ऐसी खबरें भी कई मर्तबा आती हैं कि इनके इन कुकर्मों में फॉरेस्ट कर्मी भी शामिल पाए गए। गौरतलब है कि वनजीव संरक्षण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा सरकारी बजट बीते पचास सालों में बाघों के संरक्षण पर खर्च किया गया। उस हिसाब से देखें तो बाघों के बढ़ोतरी के आंकड़े उतने तसल्ली नहीं देते, जितने देने चाहिए। सालाना करीब 10 से 12 करोड़ रुपये देश के विभिन्न टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण के लिए खर्च किया जाता है। एक और दुखद खबर है जो बाघ प्रेमियों को खासी चिंतित कर सकती है। दरअसल, कुछ बाघ रिजर्व ऐसे हैं जिनमें मात्र एक-एक ही बाघ शेष बचे हैं। उनमें बंगाल का बक्सा टाइगर रिजर्व, नामदफा रिजर्व, राजस्थान का रामगढ़ विषधारी क्षेत्र, छत्तीसगढ़ का सीतानदी और झारखंड का पलामू टाइगर रिजर्व शामिल हैं। इसके अलावा दर्जन भर टाइगर रिजर्व ऐसे हैं जिनमें भी बाघों की संख्या बस 3 या 4 के आसपास ही बची है। मध्य प्रदेश अब भी प्रथम स्थान पर काबिज है जिसे टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश बाघ संरक्षण के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। लेकिन वहीं जब चीतों के संरक्षण की नजर दौड़ती है तो ये तथ्य अपने आप में झूठे लगते हैं, वो इसलिए, कि नामीबिया और आस्ट्रेलिया से लाए गए चीते भी कूनो नेशनल पार्क में ही छोड़े गए थे जिनमें अधिकांश अब दम तोड़ चुके हैं । हिंदुस्तान में बाघ अभ्यारण्य मुहिम सन 1973 में लागू हुई थी जिसे 'प्रोजेक्ट टाइगर' का नाम दिया गया था। जिम्मेदारी 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' के कंधों पर रखी गई थी। सन 2018 तक कुल भारत में 50 टाइगर रिजर्व क्षेत्र हुआ करते थे जिसे तीन वर्ष पहले बढ़ाकर 53 कर दिए गए हैं। बढ़ाने के पीछे की मंशा बाघों की संख्या में और इजाफा करना था। हालांकि कुछ जगहों पर बाघों की संख्या अपने आप बढ़ी, उसी को देखते हुए जहां बाघों की चहलकदमी दिखी, सरकार ने उसे बाघ रिजर्व घोषित कर दिया। जबकि, ये बाघ ऐसे थे जो अपना रास्ता भटककर जहां-तहां पहुंचे थे। बाघों की गिनती को लेकर भी कई बार विरोध होता है। पर्यावरणविद् कहते हैं कि बाघों की गणना सही तरीके से नहीं होती। उनकी मांगों को ध्यान में रखकर 2018 में केंद्र सरकार ने आधुनिक तरीकों से बाघों की गणना करवाई, जिसका नजीता ये निकला बाघों की संख्या देशी गणना वाले तरीकों के मुकाबले बढ़ी हुई सामने आई। हालांकि हिंसक जानवरों जैसे, बाघ, शेर व तेंदुओं की सटीक गणना को लेकर विरोधाभाष की स्थिति अब भी बनी रहती है। बाघ प्रेमी सरकारी आंकड़ों पर ज्यादा भरोसा नहीं करते हैं। पर, इस वक्त बाघों की संख्या बढ़ी है इस पर विश्वास इसलिए किया जा सकता है क्योंकि कुछ टाइगर रिजर्व क्षेत्र ऐसे हैं जहां बाघों की संख्या उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ी है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बीते सात-आठ वर्षों में इस कदर बढ़ गई है जिससे बाघ जंगलों से निकलकर बाहर खेतों और आवासीय क्षेत्रों में भी पहुंचने लगे हैं। जिस कारण कई बाघों ने इंसानों को निवाला भी बना डाला। वहां जंगली क्षेत्रों में बाघों की दहशत बनी हुई है। इसके अलावा लखीमपुर खीरी के दुधवा पार्क में भी बाघों की संख्या अच्छी खासी बढ़ी है। खैर, वहां बाघों का बढ़ना स्वाभाविक हैं क्योंकि वहां प्राकृतिक सौन्दर्यता चारों ओर भरी है और बाघों के रहने का वहां अनुकूल वातावरण भी मौजूद है? बहरहाल, जांच का विषय जरूरी हो जाता है कि आखिर पांच टाइगर रिजर्व में बाघ खत्म हुए क्यों? साथ ही इस कतार में कई और टाइगर रिजर्व खड़े हैं। वैसे, बाघ संरक्षण में कोई एक दिक्कत नहीं, बल्कि कई हैं जिस कारण बाघ असमय मौत का शिकार हो रहे हैं। कुछ वाजिब कारण तो सभी जानते ही हैं जिनमें प्रमुख तौर पर जंगलों का बेहिसाब कटान, बिगड़ता पर्यावरण, शिकारियों की बढ़ती आमदगी और बाघों के रहने हेतु जलवायु परिवर्तन में लगातार होता बदलाव हैं। मंत्रालय के आंकड़ों की माने, तो साल 2019 में समूचे हिंदुस्तान में बाघों की मृत्यु के 85 प्रत्यक्ष मामले सामने आए जिनमें करीब दर्जन भर मामलों में बाघों के मरने की पुष्टि उनके अंगों के मिलान से हुई। जबकि, इसके पूर्व 2018 में बाघों की मृत्यु के 100 मामले, वर्ष 2017 में 115 मामले और वर्ष 2016 में बाघों की मृत्यु के 122 मामले सामने आए। कोरोना के दौरान सन 2020-21 में बाघों के मरने की संख्या सर्वाधिक रही। वरना, बाघों के बढ़ने का जो 715 का आंकड़ा केंद्र सरकार ने दर्शाया है उसमें निश्चित रूप से और वृद्धि होती। सन 2018 तक कुल बाघ 2967 थे जो अब 3682 हो गए हैं। कोरोना के दौरान शिकारी बाघों पर कहर बनकर टूटे थे। लॉकडाउन में खूब शिकार किया। दरअसल, वो ऐसा वक्त था जब बंदिशें कम थीं जिसका उन्होंने जमकर फायदा उठाया। बहरहाल, हमारा देश अब भी बाघ संरक्षण क्षेत्र में संसार भर में अव्वल पायदान पर काबिज है। 75 से 80 फीसदी के बीच बाघों का घर भारत में ही है। पर, संरक्षण के लिहाज से मौजूदा कुछ रिपोर्ट सोचने पर मजबूर करती हैं। तीन टाइगर रिजर्व बक्सा, डंपा और पलामू में बाघों के अनुपस्थिति भी सामने आई है और ऐसी संख्या तेजी से अग्रसर है। बिना देर किए सरकार को बाघ विलुप्ता के सही कारणों को खोजना होगा। वरना, भविष्य की आगामी पीढ़ी को वैसे दिन न देखने पड़े, चीतों की तरह बाघों को भी दूसरे देशों से मुंह बोली कीमत पर खरीदकर लाना पड़े।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विचार मंथन

मणिपुर में कोई भी समुदाय सुरक्षित नहीं

(लेखक- सनत जैन)

पिछले कई महीनो से मणिपुर में हिंसक प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। राज्य सरकार,केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी मणिपुर में हिंसक वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले 4 माह में आधिकारिक रूप से 200 से ज्यादा महिला-पुरुषों की मौत हो चुकी है। सैकड़ो लोग घायल अवस्था में है। हजारों लोग अभी भी शरणार्थी शिवरों में रहने के लिए विवश हैं। मणिपुर में एक बार फिर प्रदर्शनकारियों ने इंफाल की सड़कों पर भारी हंगामा किया। सड़कों के आसपास आग लगा दी।कई घंटे तक विस्फोट होते रहे। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह के निजी आवास पर भी हमला करने का प्रयास उतेजित भीड़ ने किया। पु लिस ने अश्रु गैस तथा हवाई फायर कर भीड़ को नियं त्रित किया गया। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष के घर पर छठवीं बार प्रदर्शनका रियों द्वारा हमला किया गया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी गई। मणिपुर के कई क्षेत्रों में मोन जुलूस निकाले गए। कई स्थानों पर हिंसक प्रदर्शन हुए। मणिपुर में जुलाई महीने से विश्वविद्यालय से दो छात्र लापता थे। छात्रों को जब उनके हत्या की जानकारी लगी। उसके बाद से मणिपुर में प्रदर्शन तेज हो गए। छात्रों ने प्रदर्शन का मोर्चा संभाल लिया। इसके बाद मणिपुर के हालात एक बार फिर खराब होना शुरू हो गए।लगभग 4 महीने से मणिपुर में लगातार हिंसा हो रही है। सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ अब मणिपुर के सभी समुदायों का गुस्सा देखने को मिल रहा है। मणिपुर में मैतई, कुकी और नगा सभी समुदायों के लोगों में एक दूसरे के प्रति वैमनस्य से भर दिया गया है।उसके बाद से कोई भी समुदाय मणिपुर में सुरक्षित नहीं रहा। सभी समुदाय एक दूसरे की हिंसा का शिकार हो रहे हैं। मेतई समुदाय पहले वीरेन सिंह मुख्यमंत्री पर विश्वास कर रहा था। ले किन वह भी मेतई समुदाय की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, सीआरपी को मणिपुर में बड़ी संख्या में तैनात किया है। स्थानीय पुलिस भी जगह-जगह पर तैनात है।इसके बाद भी भीड़ का गुस्सा कम नहीं हो पा रहा है। कोई भी वर्ग अब मणिपुर में सुरक्षित नहीं रहा। मैतई समुदाय के लोग भी अब प्रदेश सरकार और भाजपा से नाराज हो गया है। मणिपुर में पिछले 4 महीनों में जिस तरीके से एक दूसरे समुदाय के प्रति घृणा बढ़ाने का काम किया गया है। उस आग में अब सभी जलने के लिए विवश हो रहे हैं। मणिपुर सरकार ने जिस इलाके को शांतिपिर्य इलाका घोषित किया था। उन इलाकों में भी हिंसा भड़क उठी है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि पिछले चार महीने से मणिपुर जल रहा है। सैकड़ो चर्च जला दिए गए। हजारों लोग शरणार्थी शिवरो में रह रहे हैं।मणिपुर मैं हिंसक वारदातों के कारण सैकड़ो लोगों की हिंसा में मौत हो चुकी है। महिलाएं और बच्चे बुरी तरीके से प्रताड़ित हो रहे हैं। मणिपुर की वर्तमान हालात को देखने के बाद भी केंद्र सरकार मणिपुर के मुख्यमंत्री को हटा नहीं पा रही है। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को लेकर किसी भी समुदाय का उनके ऊपर विश्वास नहीं रहा। राज्यपाल अनसूईया उईके, आदिवासी महिला है।

पिछले कई महीनो से वह लगातार मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए और सभी समुदाय का एक दूसरे के ऊपर विश्वास बने। इसके लिए राज्यपाल प्रयास कर रही हैं। सभी समुदाय के नागरिकों से संपर्क कर उन्हें समझाने का काम कर रही हैं।मणिपुर के लोग उनका विश्वास भी कर रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को नहीं हटाने के कारण शां ति स्था पित करने के कोई भी प्रयास सफल नहीं हो पा रहा है।सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी एक जांच कमेटी बनाई थी। उसके बाद भी मणिपुर के हालात सुधारने के बजाय बिगड़ते ही जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण राज्य सरकार और मुख्यमंत्री की कार्य प्रणाली हैं। केंद्र सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है, जो वीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के पद पर बनाए रखा है। जिस दिन मुख्यमंत्री को हटा दिया जाएगा। उसके बाद स्थिति को बेहतर ढंग से सुलझाने की दिशा में राजनीतिक प्रयास सफलतापूर्वक किया जा सकते हैं। मणिपुर में अशांति फैलाने का सबसे बड़ा कारण मुख्यमंत्री वीरेन सिंह हैं। जब तक वह नहीं हटेंगे, तब तक मणीपुर में शांति स्थापित होने की कोई संभावना नहीं है। मणिपुर के नागरिकों से बात करने में यही एक बात समझ में आती है। केंद्र सरकार को समय रहते मणिपुर के मुख्यमंत्री को हटाकर वहां राष्ट्रपति शासन लागू कारना चाहिए। मणिपुर की राज्यपाल शांति बहाल करने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

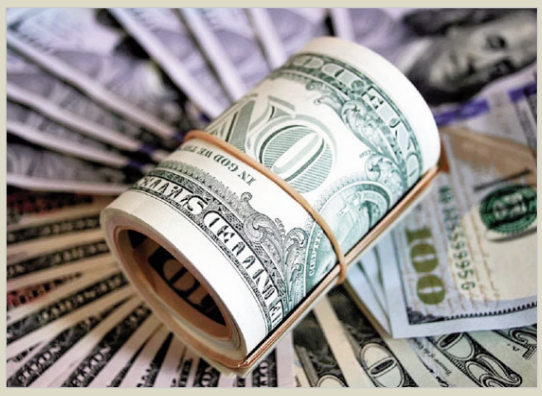

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट

- 2.33 अरब डॉलर घटकर 590.70 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.33 अरब डॉलर घटकर 590.70 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 86.7 करोड़ डॉलर घटकर 593.04 अरब डॉलर रहा था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट थामने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्राभंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 15 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.55 अरब डॉलर घटकर 523.36 अरब डॉलर रही। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 30.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.31 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 7.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.01 अरब डॉलर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 5.02 अरब डॉलर रहा।

पांच-वर्षीय आवर्ती जमा पर ब्याज दर बढ़ी, अन्य प्रमुख योजनाओं में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने पांच साल की आवर्ती जमा पर ब्याज दर 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा अन्य सभी प्रमुख लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों को अक्टूबर-दिसंबर अवधि के लिए अपरिवर्तित रखा है।वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2023 के बीच की अवधि के लिए नई दरों की घोषणा की। मंत्रालय हर तिमाही के बाद छोटी बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों में संशोधन करता है। अन्य सभी प्रमुख योजनाओं जैसे पीपीएफ (7.1 प्रतिशत), सुकन्या समृद्धि योजना (8.0 प्रतिशत), किसान विकास पत्र (7.5 प्रतिशत), मासिक आय खाता योजना (7.4 प्रतिशत), राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (7.7 प्रतिशत) और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (8.2 प्रतिशत) के साथ-साथ बचत जमा (4 प्रतिशत) को अपरिवर्तित रखा गया है।

अगस्त में कोर सेक्टर की ग्रोथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत के आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि अगस्त में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 12.1 प्रतिशत पर पहुंच गई।अगस्त में वृद्धि जून 2022 के बाद सबसे अधिक है। जून 2022 में यह 13.2 प्रतिशत थी। जुलाई में यह संख्या 8.4 फीसदी थी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, ÷सभी आठ प्रमुख उद्योगों (जैसे सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, बिजली, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और स्टील) के उत्पादन में अगस्त 2023 में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। आठ प्रमुख उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत का हिस्सा है।

सरकार ने अक्टूबर के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ाये; महंगी हो सकती है पीएनजी, सीएनजी

नई दिल्ली।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अक्टूबर महीने के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह लगातार दूसरा महीना है जब देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत बढ़ाई गई है। सितंबर में कीमत 8.60 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू थी जिसे बढ़ाकर 9.20 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू (मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) कर दिया गया है।घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि से उपभोक्ताओं द्वारा वाहनों में इस्तेमाल होने वाले सीएनजी (सीएनजी) और घरों में इस्तेमाल होने वाले पीएनजी के दाम बढ़ने की आशंका है क्योंकि गैस वितरण कंपनियां उच्च लागत का भार ग्राहकों पर डाल सकती हैं। यह मूल्य समायोजन नए फॉर्मूले के तहत किया गया है जिसमें घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत को कच्चे तेल के भारतीय बास्केट की मौजूदा कीमत से जोड़ा गया है। पहले का फॉर्मूला

चार प्रमुख वैश्विक गैस व्यापार केंद्रों की कीमतों पर आधारित था।प्राकृतिक गैस की कीमतों को मौजूदा बाजार की गतिशीलता के साथ अधिक निकटता से संरेखित करने के लिए अक्टूबर 2022 में सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर नया मूल्य निर्धारण तंत्र पेश किया गया था। इस नए फॉर्मूले के तहत घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत में हर महीने बदलाव किया जाता है।

95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंची क्रूड ऑयल की कीमत

नई दिल्ली।

सरकार ने ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी कंपनियों द्वारा उत्पादित घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है, इससे कीमतें लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं।30 सितंबर से पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार100 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। यह टैक्स सरकार को उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में सब्सिडी देने के लिए अधिक संसाधन जुटाने में मदद करता है। जुलाई-सितंबर तिमाही में तेल की कीमतें लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, क्योंकि सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में ओपेक प्लस के उत्पादन में कटौती से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति कम हो गई है।सभी की निगाहें अब 4 अक्टूबर को होने वाली अगली ओपेक प्लस मंत्रिस्तरीय पैनल की बैठक पर हैं, जब इस बात पर निर्णय होने की उम्मीद है कि आपूर्ति में कटौती जारी रहेगी या नहीं। विश्लेषकों के मुताबिक, इससे यह तय होगा कि बाजार में 100 डॉलर प्रति बैरल की ओर दौड़ जारी रहेगी या नहीं। सितंबर की शुरुआत में, सऊदी अरब ने अपनी एक मिलियन बीपीडी कटौती को दिसंबर तक बढ़ा दिया था। इस बीच बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड नवंबर वायदा की कीमत 95.31 डॉलर प्रति बैरल पर मँडरा रही है, जो बाजार में मजबूती का संकेत दे रही है। भारत ने पिछले साल जुलाई में कच्चे तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित कर लगाया और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर लेवी बढ़ा दी, क्योंकि निजी रिफाइनर घरेलू बिक्री के बजाय विदेशी बाजारों में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन से लाभ कमाना चाहते थे। विमानन टरबाइन ईंधन पर लेवी 3.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 5.50 रुपये से घटाकर 5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। इन कीमतों की अब हर पखवाड़े समीक्षा की जाती है।

ट्राई ने वोडाफोन आइडिया पर लगाया एक करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया लिमिटेड पर अनचाही कॉल एवं संदेशों पर प्रे तिबंध लगा पाने में कामयाब नहीं रहने पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने उस पर यह जुर्माना लगाया। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश की समीक्षा कर रही है और इस संबंध में आगे उठाए जाने वाले कदम पर गौर कर रही है। दूरसंचार सेवा प्रदाता पर यह कार्रवाई ग्राहकों को अनचाही कॉल एवं एसएमएस पर रोक लगा पाने में नाकाम रहने पर की गई है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सप्ताहभर उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

वैश्विक बाजार से मिले मजबूत रूझानों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ भारत में बॉन्ड यील्ड में कमी से शुक्रवार को इक्विटी बाजार में तेजी आई। सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी, दोनों प्रमुख घरेलू सूचकांकों ने कारोबार की शुरुआत नुकसान के साथ की है। सेंसेक्स 115 अंक गिरकर 65,900 पर खुला और 14.54 अंकों की बढ़त के साथ 66,023.69 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 32 अंक से ज्यादा गिरकर 19,650 पर खुला और 0.30 अंकों की बढ़त के साथ 19,674.55 पर बंद हुआ। शेयर बाजार की मंगलवार को स्थिर शुरुआत हुई है। सेंसेक्स अपने पुराने बंद के मुकाबले 47.94 अंकों की बढ़त के साथ 66,071 पर खुला और 78.22 अंकों की गिरावट के साथ 65,945.47 पर बंद हुआ। निफ्टी 8.30 अंकों की बढ़त लेकर 19,682 पर खुला और 9.85 अंक टूटकर 19664 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार की सुबह कारोबार के लिहाज से काफी मुश्किल रही। सेंसेक्स भारी बिकवाली के चलते 202.34 अंकों की गिरावट के साथ 65,743.13 पर खुला और 173.22 अंकों की बढ़त के साथ 66,118.69 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी में 60.55 अंकों की गिरावट के साथ 19,604.15 पर खुला और 51.75 अंक मजबूत होकर 19,716.45 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 287.32 अंकों की बढ़त के साथ 66,406.01 पर खुला और 610.37 अंक के नुकसान से 65,508.32 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50.2 अंकों की बढ़त के साथ 19,766 पर खुला और 192.90 अंक के नुकसान से 19,523.55 अंक पर बंद हुआ। घरेलू बाजार शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 235.61 अंक चढ़कर 65,743.93 पर खुला और 320.09 अंक चढ़कर 65,828.41 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 76.7 अंक बढ़कर 19,600.25 पर खुला और 114.75 अंक मजबूत होकर 19,638.30 पर बंद हुआ।

अक्टूबर महीने में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

अक्टूबर के महीने में बहुत सारे त्योहार होते है जिसके कारण छुट्टियां होती है। इसी कारण बैंकों में अक्टूबर के महीने में सिर्फ 15 दिन ही काम होगा। भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात की जानकारी देता है कि किन-किन दिनों में बैंक में छुट्टियां रहेगी। रिजर्व बैंक हर कैलेंडर वर्ष के लिए एक सूची तैयार करता है। आरबीआई द्वारा जारी छुट्टियों की सूची में कई छुट्टियां राष्ट्रीय है, उस दिन देशभर में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेगी। आपको बता दें कि कुछ छुट्टियां स्थानीय या क्षेत्रीय होती हैं। उन दिनों सिर्फ इससे जुड़े राज्यों में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

इन दिनों में बंद रहेंगे बैंक-

- रविवार 1 अक्टूबर में देशभर में बैंक बंद रहेंगे।
- 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे।
- 8 अक्टूबर रविवार को देशभर में बंद रहेंगे बैंक।
- 14 अक्टूबर 2023 को महालया के कारण कोलकाता में और पूरे देश में दूसरे शनिवार को बैंक बंद रहेंगे।
- 15 अक्टूबर दिन रविवार को देशभर के बैंकों में रहेगी छुट्टी।
- गुवाहाटी में 18 अक्टूबर को कटि बिहू के कारण बैंक बंद रहेंगे।
- 21 अक्टूबर को दुर्गा पूजा/महान सप्तमी के कारण अगरतला, गुवाहाटी, इंफाल, कोलकाता में बैंक बंद रहेंगे।
- 22 अक्टूबर दिन रविवार को बैंकों में रहेगी छुट्टी।
- 24 अक्टूबर 2023 दशहरा के कारण हैदराबाद और इंफाल को छोड़कर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।
- 25 अक्टूबर, 2023 दुर्गा पूजा (दसई) के कारण गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे।
- 26 अक्टूबर, 2023 दुर्गा पूजा (दसई)/प्रबंधन दिवस पर गंगटोक, जम्मू और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।
- 27 अक्टूबर, 2023 दुर्गा पूजा (दसई) पर गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे।

- 28 अक्टूबर 2023 को लक्ष्मी पूजा और चौथे शनिवार के दिन कोलकाता समेत देशभर में बैंक बंद रहेंगे।
- 29 अक्टूबर 2023 को देशभर के बैंक बंद रहेंगे।
- 31 अक्टूबर 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पर अहमदाबाद में बैंक बंद रहेंगे।

जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज में 350 करोड़ के निवेश की पुष्टि की

नई दिल्ली। जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) ने शुक्रवार को बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज का परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अदालत द्वारा अप्रूव्ड समाधान योजना के तहत एयरलाइन में अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। जेकेसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इसके साथ कंसोर्टियम ने एयरलाइन को फिर से चालू करने के लिए 350 करोड़ रुपए की अपनी कुल वित्तीय प्रतिबद्धता को पूरा कर दिया है। यह जेट एयरवेज का मालिकाना हक संभालने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके अतिरिक्त, कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज को फिर से लॉन्च करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। आने वाले दिनों में विशिष्ट लॉन्च तिथि की घोषणा की जाएगी। जेट एयरवेज ने 17 अप्रैल 2019 को अपना परिचालन बंद कर दिया था। अपने बयान में कंसोर्टियम ने कहा कि उसने आज एयरलाइन के रिवाइवल के लिए 100 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश पूरा कर लिया है। इस निवेश के साथ जेकेसी ने अब अदालत द्वारा अप्रूव्ड समाधान योजना के अनुसार 350 करोड़ रुपये की अपनी कुल वित्तीय प्रतिबद्धता पूरी कर ली है, और प्रतिष्ठित एयरलाइन का नियंत्रण लेने के लिए जेकेसी की सभी प्रतिबद्धताएं अब पूरी हो गई हैं।

व्हाट्सएप: सत्यापित चैनलों के लिए हरे निशान की जगह नीला निशान लाने की योजना

सैन फ्रांसिस्को।

मेटा के स्वामित्व वाला व्हाट्सएप कथित तौर पर एंड्रॉइड पर सत्यापित चैनलों के लिए हरे निशान को नीले निशान से बदलने की योजना बना रहा है।डब्बे ले यूएबीटाइंफो के मुताबिक, यह बदलाव सत्यापित कारोबारी संस्थानों पर भी लागू होगा। यह आश्चर्य की बात नहीं है, विशेष रूप से मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग की हाल ही में व्हाट्सएप पर कारोबारी संस्थानों के लिए भविष्य में मेटा सत्यापित सदस्यता लेने की क्षमता के बारे में घोषणा को देखते हुए, जो उन्हें एक सत्यापन बैज के साथ-साथ प्रतिरूपण सुरक्षा और समर्पित तकनीकी समर्थन जैसे कई लाभ प्रदान करेगा। इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि मेटा अपने सभी ऐप्स में सत्यापन निशान को एक समान बनाना चाहता है, जो इंस्टाग्राम और फेसबुक पर नीला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाट्सएप वेरिफिकेशन बैज के रंग को मेटा की ब्रांडिंग के साथ जोड़कर, नीले रंग में बदलकर मेटा प्लेटफॉर्म पर एक सुसंगत दृश्य पहचान बना सकता है। सत्यापित चैनलों और कारोबारी संस्थानों के लिए नीला चेकमार्क विकासाधीन है और यह ऐप के भविष्य के अपडेट में उपलब्ध होगा। इस बीच, व्हाट्सएप कथित तौर पर चैनल निर्माताओं को एंड्रॉइड पर उनके चैनलों की स्थिति के बारे में सूचित रखने के लिए डिज़ाइन किया गया एक नया फीचर ला रहा है। यह कदम स्थानीय कानूनों के जवाब में आया है, जिसके तहत

प्लेटफ़ॉर्म को कुछ क्षेत्रों में विशिष्ट सामग्री तक पहुंच को प्रतिबंधित करने की आवश्यकता होती है। यह सुविधा व्हाट्सएप को चैनल निर्माता को सूचित करने की अनुमति देगी यदि उनके चैनल की दृश्यता कानूनी आवश्यकताओं के कारण कुछ देशों में प्रतिबंधित है।

वित्त मंत्रालय ने ऑनलाइन-गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर 28 फीसदी जीएसटी का आदेश जारी किया

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर कर लगाने के लिए 28 प्रतिशत जीएसटी दर लागू करने का आदेश जारी कर दिया है। बढ़ी हुई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी। संशोधित केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में कहा गया है कि इन आपूर्तियों को लॉटरी, सट्टेबाजी और जुए के समान कार्रवाई योग्य दांवों के रूप में माना जाएगा और दांव के पूर्ण अंकित मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) अधिनियम में संशोधन से विदेशों में स्थित ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्मों के लिए भारत में पंजीकरण करना और घरेलू कानून के अनुसार करों का भुगतान करना अनिवार्य हो गया है। ऑनलाइन गेमिंग के मामले में लगाए गए दांव, कसीनो के मामले में खरीदे गए चिप्स के अंकित मूल्य और घुड़दौड़ के मामले में सट्टेबाज/टोटलाइज़र के साथ लगाए गए दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि किसी भी कारण से आपूर्तिकर्ता द्वारा खिलाड़ी को लौटाई गई या वापस की गई कोई भी राशि आपूर्ति के मूल्य से कटौती योग्य नहीं होगी। कसीनो के मामले में, कसीनो में कार्रवाई योग्य दांवों की आपूर्ति का मूल्य खिलाड़ी द्वारा टोकन, चिप्स, सिक्के या टिकट खरीदने के लिए भुगतान की गई या देय कुल राशि होगी। कसीनो में खेल, योजना, प्रतियोगिता या किसी अन्य गतिविधि या प्रक्रिया सहित किसी भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भुगतान की गई राशि पर भी यही लागू होगा, ऐसे मामलों में जहां टोकन, चिप्स, सिक्के या टिकट की आवश्यकता नहीं है। इसमें यह भी कहागया है कि कसीनो द्वारा खिलाड़ी को टोकन, सिक्के, चिप्स या टिकट लौटाने पर लौटाई गई कोई भी राशि कैसीनो में कार्रवाई योग्य दावों की आपूर्ति के मूल्य से कटौती योग्य नहीं होगी। संसद ने पिछले महीने जीएसटी परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय जीएसटी और एकीकृत जीएसटी कानूनों में संशोधन को मंजूरी दे दी थी। जीएसटी काउंसिल ने अगस्त में अपनी बैठक में फैसला किया था कि नए प्रावधान 1 अक्टूबर से लागू होंगे। कार्यान्वयन की समीक्षा छह महीने के बाद किए जाने का प्रस्ताव था।

बेंगलुरु में नए निवेश पर विचार कर रहा है डेल: कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु।

कर्नाटक में अपनी उपस्थिति और मजबूत करने के लिए, टेक्सास स्थित प्रौद्योगिकी समूह डेल बेंगलुरु में अपने अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र में नए निवेश पर विचार कर रहा है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। कर्नाटक के भारी एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने बताया कि विभाग के मंत्री एम.बी. पाटिल के साथ शुक्रवार को ऑस्टिन में डेल टीम की एक टीम ने बैठक की जिसमें कंपनी के वैश्विक विनिर्माण ऑपरेशन एवं प्रौद्योगिकी प्रमुख माइकल डंडास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (लीगल) एलन रिची, और एशिया प्रशांत क्षेत्र तथा जापान के सरकारी मामलों एवं सार्वजनिक नीति के निदेशक तबरेज़ अहमद शामिल थे।कंपनी ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) परिचालन पर आयात प्रतिबंधों को दूर करने के लिए कर्नाटक सरकार से भी समर्थन मांगा, जिससे भारत में डेल के विस्तार के लिए लागत स्थिरता बढ़ेगी।डेल ने राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं के संबंध में अपनी आवश्यकताओं को भी सामने रखा।

50 अरब डॉलर मूल्य वाली कंपनी पहले से ही बेंगलुरु में एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केंद्र संचालित करती है। वैश्विक स्तर पर, डेल लगभग 25 विनिर्माण सुविधाओं का संचालन करता है, जिनमें से 14 अनुसंधान एवं विकास के लिए समर्पित हैं।कर्नाटक व्यापार प्रतिनिधिमंडल राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका के विभिन्न प्रांतों का दौरा कर रहा है।

वाणिज्य और उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डॉ. एस सेल्वाकुमार, और औद्योगिक विकास आयुक्त एवं उद्योग और वाणिज्य निदेशक गुंजन कृष्णा भी मंत्री के साथ गये हैं।प्रतिनिधिमंडल ने अग्रणी सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनी ग्लोबल फाउंड्रीज (जीएफ) से भी मुलाकात की, जिसने 200 कुशल श्रमिकों को शामिल करके बेंगलुरु में अपने कार्यबल को बढ़ाने में रुचि व्यक्त की। पाटिल ने इस संबंध में सरकार का समर्थन बढ़ाने का आश्वासन दिया और ग्लोबल फाउंड्रीज को ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध स्थापित करने में भी मदद की।

तीस अरब डॉलर की ग्लोबल फाउंड्रीज ने कर्नाटक में अपनी एयरोस्पेस और डिफेंस उपस्थिति स्थापित करने और विस्तार करने में भी रुचि व्यक्त की है। साथ ही एक व्यापक व्यावसायिक रणनीति विकसित करने के लिए आगे की योजना बनाई है।

ढह चुके क्रिप्टो हेज फंड 3एसी के सह-संस्थापक सिंगापुर में गिरफ्तार

सिंगापुर।

दिवालिया क्रिप्टो हेज फंड श्री एरो कैपिटल (3एसी) के सह-संस्थापक सु झू को यहां गिरफ्तार कर लिया गया है, मीडिया ने शनिवार को यह सूचना दी। झू को सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे से देश छोड़ने का प्रयास करते समय हिरासत में लिया गया था। 3एसी ने पिछले साल जुलाई में दिवालियापन के लिए आवेदन किया था, क्योंकि क्रिप्टो बाजार अपने सबसे खराब दौर का सामना करना शुरू कर दिया था।द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, टेनेओ, जो 3एसी की संपत्तियों को नष्ट करने की प्रभारी परिसमापन फर्म है, ने कहा कि अदालत के आदेश का पालन करने में विफल रहने के बाद उसे झू के खिलाफ एक प्रतिबद्धता आदेश प्राप्त हुआ। जेल में अपने समय के दौरान, परिसमापक झू के साथ ÷3एसी से संबंधित मामलों पर बातचीत करेंगे, उन संपत्तियों की वसूली पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जो या तो 3एसी की संपत्ति हैं या जो 3एसी के फंड का उपयोग करके हासिल की गई हैं।

फर्म ने कहा कि परिसमापक झू को अदालत के आदेश का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी अवसरों का प्रयास करेंगे।

पिछले साल जुलाई में, ध्वस्त 3एसी के संस्थापक गायब हो गए थे और जिन अधिकारियों पर कंपनी को खत्म करने का आरोप लगाया गया था, वे उनके ठिकाने की तलाश कर रहे थे। क्रेडिट सुइस व्यापारियों झू सु और काइल डेविस द्वारा स्थापित मेगा फंड, एक बार अनुमानित 10 बिलियन डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करता था।

ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की एक अदालत ने व्यवसाय प्रबंधन कंपनी टेनेओ को 3एसी के परिसमापन की निगरानी करने का काम सौंपा।

दिवालियापन तब आया जब आर्थिक मंदी के बीच बिटकॉइन और एथेरियम जैसे लोकप्रिय क्रिप्टो टोकन अपने रिकॉर्ड ऊंचाई से लगभग 70 प्रतिशत कम हो गए।

सरबजोत और दिव्या ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता रजत

हांगझाऊ (एजेंसी)। अपना जन्मदिन मना रहे भारत के सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन की जोड़ी से हार गए और रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। भारत ने इन खेलों में निशानेबाजी में छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य समेत 19 पदक जीत लिए हैं।

भारतीय जोड़ी को चीन के विश्व चैम्पियन झांग बोवेन और जियांग रेंशिन की जोड़ी ने फाइनल 16.14 से हराया। पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में अर्जुन सिंह चीमा और शिवा नरवाल के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले सरबजोत भारत को स्वर्ण दिलाने के करीब थे लेकिन दिव्या ने आखिर में कुछ खराब निशाने लगाये जिससे चीन ने बढ़त बना ली।

आखिरी शॉट पर 9.9 लगाने वाले 22 वर्ष के सरबजोत ने कहा कि मैं थोड़ा नर्वस था। बहुत ज्यादा दबाव था। मैंने मैच के पहले और बाद में पेट से सांस लेने का अभ्यास किया। दिव्या ने कहा कि हमने अच्छा प्रदर्शन किया। फाइनल्स में अपने प्रदर्शन से मैं खुश हूं। पहले से आखिरी शॉट तक मुझे मजा आया।

महिला दस मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली दिव्या ने कहा कि अगले साल पेरिस ओलंपिक है और मैं क्वालीफाई करने की पूरी कोशिश कर रही हूं। हमारे पास अच्छे कोच हैं जिन्हें मैं धन्यवाद देना चाहती हूं। क्वालीफिकेशन में सरबजोत ने 291 स्कोर किया जबकि दिव्या का स्कोर 286 रहा। दोनों का कुल स्कोर 577 रहा और वे क्वालीफिकेशन में चीन से एक अंक आगे रहे थे लेकिन फाइनल में चीनी जोड़ी ने बाजी मार ली।

वहीं, ट्रैप स्पर्धा के पहले दिन कीनान चेनाई 75 में से 73 स्कोर करके दूसरे स्थान पर है। पुरूषों की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में 25.25 शॉट के तीन दौर में जोरावर सिंह संधू 72 स्कोर करके छठे स्थान पर रहे। भारत के पृथ्वीराज टोंडाइमान 70 अंक लेकर 19वें स्थान पर रहे। भारतीय तिकड़ी कुल 215 अंक के साथ कुवैत से दो अंक पीछे दूसरे स्थान पर है।

रविवार को 25.25 शॉट के दो दौर और खेले जायेंगे जिससे टीम पदक विजेताओं का निर्धारण होगा। क्वालीफिकेशन में शीर्ष 6 स्थान पर रहे निशानेबाज फाइनल में जगह बनाएंगे। महिलाओं के व्यक्तिगत ट्रैप में प्रीति रजक छठे, मनीषा कीर 12वें और राजेश्वरी कुमारी 16वें स्थान पर रही। राजेश्वरी के खराब प्रदर्शन से भारत टीम वर्ग में चौथे स्थान पर खिसक गया।

एशियाई खेल : चानू पदक जीतने में असफल रहीं

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू एशियाई खेलों की 49 किग्रा स्पर्धा में पदक जीतने में विफल रही हैं। मीराबाई यहां शनिवार को हुए मुकाबले में चौथे स्थान पर रहीं। वह स्नैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बाद क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा वजन उठाने का प्रयास कर रहीं थी पर असफल रहीं। इस दौरान वह चोटिल भी हो गयीं।

कांस्य हासिल करने के लिए किये अंतिम प्रयास में वह संभल नहीं पायीं और पीठ के बल गिर पड़ी। इसके बाद उन्हें स्टेज से उठाकर ले जाना पड़ा। वह एरीना से लंगड़ाती हुई बाहर आईं। वहीं स्नैच वर्ग में वह केवल 83 किग्रा का ही वजन उठा पायीं और 86 किग्रा उठाने के दो प्रयासों में असफल रहीं। अंतिम स्नैच में वह 'स्क्वैट पाजीशन से उठ ही नहीं पायीं और आगे की ओर गिर गयी जिससे 'बार भी उनकी पीठ पर गिर गया।

भारतीय पुरुष स्क्वाश टीम ने पाक को हराकर स्वर्ण जीता

हांगझोउ (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई खेलों की स्क्वाश स्पर्धा में पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय टीम की जीत में अभय सिंह की अहम भूमिका रही। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पाक के नूर जमां को 3-2 से हराया। इस मैच में इस भारतीय खिलाड़ी ने 2 अंक बचाए जिससे टीम को जीत मिली। इस जीत का जश्न अभय ने रैकेट उछाल कर मनाया।

वहीं भारत के भारत के महेश मंगावंकर शुरुआती मैच में पाक के इकबाल नासिर से 3-0 से हार गये। इसके बाद सौरव घोषाल ने पाक के मोहम्मद असीम खान को 3-0 से हराकर भारतीय टीम को मुकाबले में वापसी कराई। भारत ने इस तरह लीग चरण में पाकिस्तान से मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। भारतीय टीम ने इससे पहले इंचियोन 2014 खेलों खेलों में भी स्वर्ण जीता था।

भारत बनाम इंगलैंड वार्म अप मैच बारिश के कारण धुला, टॉस के बाद ही शुरू हो गई थी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 4 हफ्तों में बेंगलुरु से कोलंबो, पल्लेकेले, वापस कोलंबो, मोहाली, इंदौर और राजकोट से होती हुए टीम इंडिया गुवाहाटी पहुंची लेकिन बारिश ने उनका इंगलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच धोकर रख दिया। टीम इंडिया ने अपने क्रिकेट विश्व कप अभियान का पहला अभ्यास मैच इंगलैंड के खिलाफ खेलना था। टीम इंडिया के प्लेयर्स ने इससे पहले एक ट्रेनिंग सेशन भी लगाया था जिसमें शुभमन गिल, इशान किशन, आर अश्विन और शार्दुल ठाकुर ने हिस्सा लिया था। बहरहाल, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। टॉस के तुरंत बाद ही बारिश शुरू हो गई जिसकी वजह से मैच शुरू नहीं हो पाया। बारिश रुक रुककर होती रही जिसके कारण इसे रद्द कर दिया गया।

एशियाई खेलों में भारत की किरण को कांस्य , 72 साल बाद बाद गोला फेंक में मिला पदक

हांगझोऊ । भारत की किरण बालियान ने हांगझोऊ एशियाई खेलों में महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। किरण ने इस पदक के साथ ही इतिहास रच दिया है। इस प्रकार भारत को 72 साल बाद बाद गोला फेंक को कोई पदक मिला है। इससे पहले साल 1951 में भारत की बारबरा वेबस्टर को गोला फेंक में कांस्य पदक मिला था। किरण ने अपने तीसरे प्रयास में 17.36 मीटर गोला फेंककर ये पदक हासिल किया। महिलाओं के गोला फेंक में भारत के नाम कुछ ही ही पदक हैं। चीन की लिजियाओ गोंग ने 19.58 मीटर गोला फेंककर स्वर्ण पदक जबकि चीनी की जियायुआन ने 18.92 मीटर के साथ रजत पदक जीता। भारत की ओर से सभी को मनप्रीत कौर से उम्मीदें थीं पर वह असफल रहीं। किरण ने 15.42 मीटर के वॉर्मअप थ्रो से शुरुआत की और फिर दूसरे प्रयास में गेंद को 16.84 मीटर की दूरी तक पहुंचाया। उन?होंने अपने तीसरे प्रयास में इसे 17.36 मीटर तक फेंका, लेकिन इसमें सुधार नहीं कर सकीं। उनका आखिरी तीन थ्रो क्रमश- 16.76 मीटर, 16.79 मीटर और 16.87 मीटर फेंके ।वहीं चीन की लिजिआओ ने लगातार तीसरे एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता जबकि सोंग ने अपना पहला एशियाई खेलों का पदक जीता।

एशियाई खेल : टेनिस में बोपन्ना-ऋतुजा ने जीता स्वर्ण

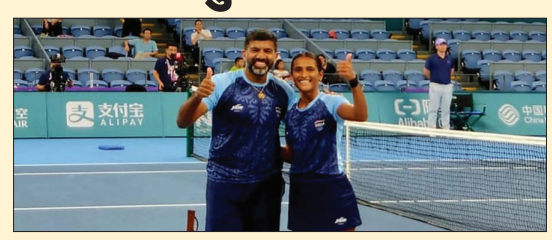

हांगझोऊ । यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। सातवें दिन भारत को टेनिस में रोहन बोपन्ना और ऋतुजा भोंसले की मिश्रित युगल जोड़ी ने स्वर्ण दिलाया। यह सातवें दिन का पहला स्वर्ण पदक रहा। खिताबी मुकाबले में बोपन्ना और ऋतुजा की जोड़ी ने चीनी ताईपे की जोड़ी को 2-6, 6-3, 10-4 से पराजित किया। इस मुकाबल में बोपन्ना और ऋतुजा पहल सेट हार गये पर इसके बाद दोनो ने ही अच्छी वापसी करते हुए स्वर्ण जीता। इसी के साथ ही टेनिस में भारत को दूसरा पदक मिला। बोपन्ना ने एशियाई खेलों के मिश्रित युगल में पहली बार स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले, भारत को निशानेबाजी में एक रजत पदक मिला था। 10 मीटर एयर पिस्टल के मिश्रित टीम इवेंट में भारत के सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस की जोड़ी रजत पदक ही हासिल कर पायी। सरबजोत ने अपने जन्मदिन के अवसर पर देश को रजत पदक जिताया। पदक समारोह के बाद आयोजकों ने सरबजोत के जन्मदिन के मौके पर गाना भी बजाया। भारतीय जोड़ी को स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में चीन के बोवेन झांग और रैनक्सिन जियांग से 16-14 से हार का सामना करना पड़ा। एशियाई खेलों की निशानेबाजी शूटिंग में यह भारत का 19वां पदक था। उसे अब तक 6 स्वर्ण, 8 रजत, और 5 कांस्य पदक मिले हैं।

स्टेन ने मुझे सबसे ज्यादा परेशान किया : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा एक आक्रामक बल्लेबाज है। पारी की शुरुआत करते हुए रोहित पर अंकुश लगाने में बेहतरीन गेंदबाज भी असफल रहे हैं। वहीं अब रोहित ने उस गेंदबाज का नाम बताया है जिसने उन्हें सबसे ज्यादा परेशान किया है। ये गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन हैं। जब रोहित से पूछ गया कि उन्हें किस गेंदबाज का सामना करने में परेशानी होती है तो उन्होंने कहा, मुझे सबसे ज्यादा मुश्किल स्टेन को खेलने में आयी है। स्टेन के पास क्लास है, स्किल्स हैं बहुत कम ही गेंदबाज हैं जो 140 की स्पीड पर गेंद को स्विंग कराते हैं. वो ऐसे गेंदबाज थे, जो लगातार ऐसा किया करते थे। स्टेन दक्षिण अफ्रीका के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक थे। साल 2021 में 31 अगस्त को उन्होंने हर प्रारुप को अलविदा कह दिया था। आईपीएल 2012 के दौरान स्टेन ने 154 किमी प्रति घंटा की गति से गेंद फेंकी थी। 40 साल के स्टेन ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से 3 विश्वक कप में हिस्सा लिया. वह 2007, 2011 और 2015 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा रहे हैं। स्टेन ने अपनी टीम की ओर से 93 टेस्ट और 125 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 439 विकेट जबकि एकदिवसीय में 196 विकेट लिए। टी20 में स्टेन के नाम 64 विकेट हैं। इस तेज गेंदबाज ने अपनी घातक गेंदबाजी से कई बार टीम को शानदार जीत दिलाई हैं।

मैं दिमाग से चोट का ख्याल भी निकाल देना चाहता हूं : नीरज चोपड़ा

हांगझोउ। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में इस चोट के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। चोपड़ा ने जकार्ता में 2018 में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

इस चोट के बावजूद उन्होंने इस सत्र में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप जीती और सितंबर में डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने कहा, ''मैं स्विटजरलैंड में अभ्यास और इत्मीनान से रिहैब के बाद यहां आया हूं। उम्मीद है कि सौ फीसदी देकर पदक जीत सकूंगा।' उन्होंने कहा, ''चोट तो अभी भी है। पिछले साल भी मसला था लेकिन मुझे बेहतर लग रहा था। मुझे ख्याल रखना होगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक की तैयारी भी है। इस तरह की चीजें शीर्ष स्तर पर खेलने वाले एथलीटों के साथ होती रहती है।' उन्होंने कहा, ''मैंने विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी इसके बारे में सोचने की बजाय अपने थ्रो पर फोकस किया। मैं इस समय भी चोट का ख्याल भी दिमाग में नहीं लाना चाहता।'

अभ्यास मैच होते हैं अहम : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि विश्वकप से पहले होने वाले अभ्यास मैच भी बेहद अहम होते हैं। गावस्कर के अनुसार इससे टीम को अपनी कमजोरियों का पता चलता है। गावस्कर 1983 की विश्कप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे। उन्होने कहा कि हमने तब काउंटियों के खिलाफ दो मैच खेले थे। हम उन दोनों में ही हार गये थे पर हमें सीखने के लिए काफी कुछ मिला था। इसके अलावा इंग्लैंड में यात्रा के दौरान टीम का साथ रहना, बड़ा फायदा दे गया। मुझे लगता है कि ऐसा बहुत कम होता है कि आपके पास ऐसा कोच है जो हंसी मजाक करना, टांग खींचना, चिढ़ाना आदि करता हो। यही वो था जो कि मूवी 83 में दिखाया गया था। यह टीम में एकजुटता की भावना पैदा कर गया। जब आप एक-दूसरे को समझते हैं तो मुझे लगता है कि यह शायद सबसे अच्छी चीजों में से एक है जो हो सकती है। इससे हमें विश्वकप जीतने में सहायता मिली।

एशियाई खेल: कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार है भारतीय महिला हॉकी टीम

हांगझू, (एजेंसी)। 19वें एशियाई खेलों में अपने पहले दो मैचों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को अपने तीसरे मैच में इस बार कोरियाई पक्ष के खिलाफ एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

अपने पहले दो मैचों में प्रभावशाली जीत के साथ, भारत अपनी जीत की लय बरकरार रखना चाहेगा, जबकि कोरिया टूर्नामेंट में अपना दबदबा जारी रखने के लिए उत्सुक है। भारत ने अपने शुरुआती मैच में सिंगापुर के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया, इसके बाद शुक्रवार को मलेशिया पर 6-0 की शानदार जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, कोरिया भी शानदार फॉर्म में है, उसने सिंगापुर के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज की है और अपने पिछले मैचों में हांगकांग को 7-0 से हराया। जब आमने-सामने की भिड़ंत की बात आती है, तो दोनों पक्षों के बीच खेले गए 19 मैचों में 11 जीत के साथ कोरिया का पलड़ा भारी है। भारत ने छह जीत हासिल की हैं, और दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। यह इतिहास आगामी मुकाबले में एक दिलचस्प आयाम जोड़ता है, जिसमें भारत अपने कोरियाई समकक्षों के खिलाफ अपने रिकॉर्ड में सुधार करने के लिए उत्सुक है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने आगामी चुनौती पर कहा, कोरिया का सामना करना हमेशा कठिन होता है, और इतिहास बताता है कि उनका पलड़ा भारी रहा है। हालांकि, अब हम एक अलग टीम हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से भरे हुई हैं। हम मैदान पर अपना सब कुछ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलना और जीत हासिल करना है। भारतीय महिला हॉकी टीम की उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, टीम इस मैच की तैयारी के लिए अथक प्रयास कर रही है। हम कोरिया की क्षमताओं का सम्मान करते हैं, लेकिन हमें

अपनी क्षमताओं पर भी भरोसा है। पहले के खेलों में हमारी जीत ने हमारा मनोबल बढ़ाया है, और हम इस चुनौती का डटकर सामना करने के लिए तैयार हैं। यह एक रोमांचक मैच होने वाला है और हमारा लक्ष्य कड़ी टक्कर देना है। भारत वर्तमान में ग्रुप ए में दो मैचों में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है और दूसरे स्थान पर मौजूद कोरिया से बेहतर गोल अंतर है, जिसने दो मैचों में छह अंक अर्जित किए हैं।

विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा टीम में गावस्कर ने अश्विन को नहीं दी जगह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्वर ने पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम घोषित कर दी है। गावस्कर ने अपनी इस पसंदीदा टम में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को शामिल नहीं किया है। गावस्कर ने विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मुकाबले के लिए अश्विन को शामिल न कर सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने अपनी इस टीम में कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा रहे के अलावा तेज गेंदबाजी में युवा शार्दुल ठाकुर की जगह मोहम्मद शमी को शामिल किया है। इसके अलावा स्पिनर के तौर पर अश्विन को शामिल नहीं किया है।

गावस्कर ने कहा, किसी भी टीम में शीर्ष 3 बल्लेबाज काफी महत्वपूर्ण होते हैं। साथ ही कहा कि सलामी बल्लेबाजों की अच्छी शुरुआत से बाकी खिलाड़ियों को खुलकर खेलने में मदद मिलती है। सलामी जोड़ी का योगदान सबसे अहम होता है। इसके अलावा टीम में तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को रखा है।

साथ ही कहा कि अगर वे 2 तेज गेंदबाजों के साथ जाना चाहते हैं तो उनके पास पहले से ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या है। इसके अलावा टीम में एक अतिरिक्त स्पिनर को शामिल किया जा सकता है। साथ ही कहा कि यदि आप टर्निंग ट्रैक पर हैं तो कुलदीप यादव को जडेजा के साथ शामिल किया जा सकता है।

गावस्कर की अंतिम ग्यारह इस प्रकार है- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह।

विलियमसन को छोड़कर बाकि कप्तान पहली बार विश्वकप में अपनी टीम का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप को लेकर प्रशंसकों में भारी उत्साह है। सभी इसमें होने वाले मुकाबले देखना चाहते हैं। इस विश्वकप में कई दिग्गज कप्तान भी जीत के इरादे से उतरेंगे। इनमें से सभी कप्तान जोश और उत्साह से भरे हुए हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पहली बार विश्वकप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन पिछली बार विश्वकप में भी अपनी टीम के कप्तान थे पर वह जीत दर्ज करने में असफल रहे। इसमें से विलियमसन को छोड़कर सभी अन्य टीमों के कप्तान पहली बार विश्वकप में अपनी टीम को नेतृत्व करेंगे। अधिकतर कप्तान शायद ही अगला विश्वकप खेल पायें। इसलिए उनका लक्ष्य जीत दर्ज करना रहेगा।

रोहित शर्मा : भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा एकदिवसीय में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के अकेले खिलाड़ी हैं। 36 साल के रोहित ने 251 वनडे मैचों में 10112 रन बनाए हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित ने 52 टेस्ट में 3677 और 148 टी20 मुकाबलों में 3853 रन बनाए हैं।

जोस बटलर : इंग्लैंड की कप्तानी इस बार 33 साल के जोस बटलर के हाथों में है। इंग्लैंड ने पिछले बार विश्वकप जीता था। इसलिए इस बार बटलर अपनी कप्तानी में उसे विश्वकप में जीत दिलाने उतरेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज बटलर आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 169 एकदिवसीय मैचों में 4823 रन बनाए हैं। उनके नाम 11 शतक भी हैं।

केन विलियमसन : न्यूजीलैंड के कप्तान विलियमसन पिछले विश्वकप में भी टीम के कप्तान थे। तब टीम फाइनल में हार गयी थी। 33 साल के विलियमसन का लक्ष्य इस बार अपनी टीम को जीत दिलाकर पिछले बार की कमी पूरी करना रहेगा। उन्होंने अब तक 161 एकदिवीसय मैच खेले, जिसमें 6554 रन बनाए हैं।

बाबर आजम : पाकिस्तान टीम की कप्तानी 28 साल के बाबर आजम के हाथों में है। बाबर समेत ज्यादातर पाकिस्तानी खिलाड़ी पहली बार विश्वकप खेल रहे हैं। बाबर ने अब तक 108 एकदिवसीय मैच में 19 शतकों की सहायता से 5409 रन बनाए हैं।

टेम्बा बावुमा : दक्षिण अफ्रीका टीम की कप्तानी टेम्बा बावुमा के पास है। 33 साल के दाएं हाथ के बल्लेबाज बावुमा मध्य क्रम में उतरते हैं और टीम को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने अब तक 30 एकदिवसीय मैचों में 1367 रन बनाए हैं। बावुमा ने 56 टेस्ट में 2997 और 36 टी20 मुकाबलों में 670 रन बनाए हैं।

पैट कमिंस : सबसे ज्यादा 5 बार विश्व कप चैम्पियन बनने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी इस बार तेज गेंदबाज पैट कमिंस के पास है। 30 साल के तेज गेंदबाज कमिंस ने अब तक 77 एकदिवसीय मैच में 126 विकेट लिए हैं।

दासुन शनाका : श्रीलंकाई टीम की कप्तानी 32 साल के दासुन शनाका कर रहे हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शनाका अच्छे बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने अब तक 67 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 1204 रन बनाए हैं। साथ ही शनाका ने 27 विकेट भी लिए हैं।

शाकिब अल हसन : बांग्लादेश टीम की कप्तान स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के हाथों में है। उन्होंने 240 वनडे मैच खेले, जिसमें 7384 रन बनाए हैं। साथ ही गेंदबाजी में 308 विकेट लिए हैं।

हशमतुल्लाह शाहिदी : अफगानिस्तान टीम की कमान हशमतुल्लाह शाहिदी के हाथों में है। 28 साल के शाहिदी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 64 एकदिवसीय मैच में 1775 रन बनाए हैं। इसके साथ ही वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं।

स्कॉट एडवर्ड्स : नीदरलैंड्स टीम की कप्तानी 27 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज स्कॉट एडवर्ड्स के हाथों में है। उन्होंने अब तक 38 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 1212 रन बनाए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

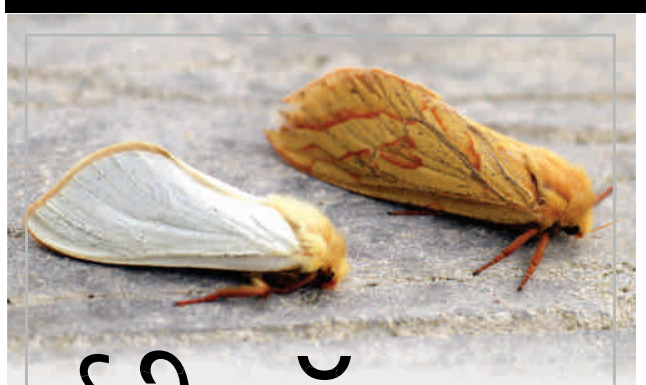

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। टुकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतू पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं क एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वे तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या टिवस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं

लंदन के टॉवर ब्रिज पर लगा गाड़ियों का जाम

- ब्रिज को खोला गया था एक नाव के गुजरने के लिए

लंदन । यहां की टेम्स नदी पर बने ऐतिहासिक टॉवर ब्रिज के खुलने से ब्रिज के दोनों ओर जाम लग गया। इस ब्रिज को एक नाव के गुजरने के लिए खोला गया था, लेकिन नाव ब्रिज में में फंस गई, जिसकी वजह से ब्रिज के दोनों तरफ गाड़ियों का जमावड़ा लग गया। एक रिपोर्ट के अनुसार, उस समय, ऐतिहासिक नाव एडियू को पुल के नीचे से गुजरना था। हालांकि, ब्रिज को खोलने के बाद पुल को बंद करने में काफी कठिनाई हुई। जिसकी वजह से लंदन की सड़कों पर काफी अराजकता फैली रही। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि तकरीबन आधे घंटे से ज्यादा समय लग गया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'पहले मुझे पुल को खुला देखकर अच्छा लगा, लेकिन फिर एहसास हुआ कि कुछ तो गलत है, पुल इतनी देर से खुला है, मैंने इसे थोड़ी देर तक देखा। सड़कों पर बहुत अधिक ट्रैफिक था। पुल पर इंतज़ार कर रही 2 पर्यटक बसों के साथ-साथ काफी गाड़ियां होने की वजह से जाम लग गया था। उन्होंने कहा कि जब लंबे इंतजार के बाद पुल बंद हुआ तो लोग खुशी से झूम उठे। शख्स ने बताया, 'मैंने पहली बार टेम्स में सील को देखा जिसे पहले कभी नहीं देखा था। जब पुल अंततः बंद हुआ तो पहले बाइक को जाने की अनुमति दी गई और फिर कुछ देर बाद यातायात बंद कर दिया गया।'जानकारी के अनुसार, मूवेबल टॉवर ब्रिज लंदन के ग्रेटर लंदन बोरो टॉवर हैमलेट्स और साउथवार्क के बीच टेम्स नदी पर बनाया गया है। यह शहर का एक ऐतिहासिक स्थल है जो टॉवर ऑफ लंदन का पूरक है, जो इसके बगल में स्थित है। पुल 1894 में बनकर तैयार हुआ था और इसका प्रवेश द्वार 76 मीटर (250 फीट) चौड़ा और 240 मीटर (800 फीट) लंबा है। पुल में आई खराबी से मध्य लंदन का एक महत्वपूर्ण मार्ग कट गया। हाइड्रॉलिक रूप से संचालित बेसक्यूल्स पुल को वापस नीचे गिराने में काफी मशक्कत करना पड़ी।

न्यूयार्क में आंधी और वर्षा से जनजीवन अस्तव्यस्त, उड़ानों में हुई देरी

वॉशिंगटन । अमेरिका के न्यूयार्क में शुक्रवार को आंधी-तूफान चलने और भारी वर्षा होने से शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया तथा लागार्डिया हवाई अड्डे पर उड़ानों के परिचालन में देरी हुई। न्यूयार्क के गर्वनर कैथी होचुल ने कहा कि शहर के कुछ हिस्सों में पूरी रात 13 सेंटीमीटर वर्षा हुई तथा दिन में 18 सेंटीमीटर वर्षा की संभावना है। उन्होंने टीवी स्टेशन एनवाई1 से कहा, '' यह खतरनाक, जीवन को खतरे में डालने वाली आंधी है।'' उन्होंने कहा कि अगले 20 घंटे तक स्थिति देखने वाली होगी। अधिकारी के अनुसार आंधी और वर्षा के कारण यातायात थम गया है। मैनहट्टन के पूर्वी हिस्से में मुख्य मार्ग एफडीआर ड्राइव पर कार पानी में डूबने लगी हैं। कुछ चालक अपनी गाड़ी छोड़कर चले गये। प्रिसिला फोंटेलियो नामक एक महिला ने कहा कि वह अपनी कार में फंस गयी। उन्होंने कहा, '' अपनी जिंदगी में कभी ऐसा नहीं देखा।'' सोशल मीडिया पर डाले गये फोटो और वीडियो में सबवे स्टेशन और बेसमेंट में पानी नजर आ रहा है। सबवे और यात्री रेल लाइनों का परिचालन करने वाले मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्टेशन ऑथोरिटी ने लोगों से घर से बाहर नहीं निकलने का आह्वान किया है। लागार्डिया हवाई अड्डे पर ईंधन भरने वाले क्षेत्र में पानी भर जाने के कारण उड़ानों का परिचालन कुछ देर के लिए रूका रहा तथा उड़ानों में देरी हुई। बाढ़ के कारण उसके तीन टर्मिनल में एक को बंद कर दिया गया है।

एपेक शिखर सम्मेलन के लिए रूस को अमेरिका का निमंत्रण नहीं मिला है : एंटोनोव

मास्को। रूस को अभी तक सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका की ओर से आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है। अमेरिका में रूस के राजदूत अनातोली एंटोनोव ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने नवंबर में आयोजित होने वाले एपेक शिखर सम्मेलन के मुद्दे पर कहा, 'हमें अभी तक अमेरिका से आधिकारिक निमंत्रण नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि रूस अमेरिका से सभी प्रतिनिधिमंडलों के लिए एपेक शिखर सम्मेलन में समान पहुंच सुनिश्चित करने और उचित समय पर वीजा जारी करने का आग्रह करता है। श्री एंटोनोव ने कहा, ऽहम व्हाइट हाउस से सभी प्रतिनिधिमंडलों के लिए मंच तक समान पहुंच और समय पर वीजा जारी करने को सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं। साथ ही इस मंच के काम का राजनीतिकरण करना बंद करें।'

रूस ने बेलगोरोड क्षेत्र में यूक्रेन के नौ उरगन एमएलआरएस रॉकेटों को मार गिराया

मास्को। रूस ने कहा है कि उरगन मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम (एमएलआरएस) से नौ रॉकेटों का उपयोग करके रूस के बेलगोरोड क्षेत्र में आतंकवादी हमले को अंजाम देने के यूक्रेन के प्रयास को विफल कर दिया गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, '30 सितंबर की सुबह मास्को समयानुसार लगभग 3:45 बजे यूक्रेन शासन द्वारा रूसी संघ के क्षेत्र पर आतंकवादी हमला करने का प्रयास किया गया, जिसे विफल कर दिया गया। यूक्रेन ने इसके लिए उरगन एमएलआरएस के नौ रॉकेटों का उपयोग किया।' मंत्रालय ने कहा, 'ड्यूटी पर मौजूद वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगोरोड क्षेत्र के ऊपर हवा में सभी नौ रॉकेटों को नष्ट कर दिया। इससे पहले, क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि वायु रक्षा बलों ने रूसी शहर बेलगोरोड के पास हवाई लक्ष्यों को मार गिराया, कोई हताहत या क्षति की सूचना नहीं है।

पाकिस्तान में एक आतंकवादी मारा गया, एक सैनिक की मृत्यु

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में दो सैन्य अभियानों में कम से कम एक आतंकवादी कमांडर मारा गया तथा एक सैनिक की मृत्यु हो गयी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार की रात बताया कि सुरक्षा बलों के जवानों गुरुवार रात प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादी समूहों से मुठभेड़ हुई। आईएसपीआर ने कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर मर्दन जिले के कटलांग क्षेत्र में अभियान चलाया और इस दौरान फैसल नामक आतंकवादी मारा गया। सेना ने कहा कि मारा गया आतंकवादी कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा वांछित था। वहीं, एक अन्य अभियान ने देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र पाराचिनार में आतंकवादियों के एक समूह के साथ मुठभेड़ के दौरान एक सैनिक की मृत्यु हो गयी। इससे पहले दिन में, सेना ने कहा कि देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी-अफगानिस्तान सीमा पर गोलीबारी में कम से कम चार सैनिकों की मृत्यु हो गयी थी तथा तीन आतंकवादी मारे गए थे।

ईरान में कैदी को मौत की सजा की घोषणा से जेल में बवाल, गोली चली, आगजनी

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान में शुक्रवार को रामहॉर्मोज जेल में एक कैदी को मौत की सजा सुनाने के बाद जमकर बवाल हुआ। इससे गुस्साए बाकी कैदियों ने आग लगाकर दंगा शुरू कर दिया। दंगे के दौरान गोलियों की आवाज सुनी गई। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस साल नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए कम से कम 173 लोगों को फांसी दी चुकी है। इससे कैदी काफी खफा हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दक्षिण पश्चिम ईरान में एक जेल में कैदियों ने एक साथी कैदी के खिलाफ जारी मौत की सजा के विरोध में आग लगा दी और गोलीबारी की। ईरान, चीन के बाद दुनिया में सबसे अधिक संख्या में फांसी देने वाला देश है। वहां इस प्रकार की हिंसा होती रहती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जून में एक रिपोर्ट में कहा कि ईरानी अधिकारियों ने व्यवस्थित रूप से अनुचित परीक्षणों के बाद इस साल नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए कम से कम 173 लोगों को फांसी दी है। यह संख्या पिछले साल की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

भारत ने वाशिंगटन में कनाडा को सुनाई खरी-खरी, विदेशमंत्री जयशंकर ने दिखाया आईना

वाशिंगटन, (एजेंसी)। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान शुक्रवार वाशिंगटन डीसी में खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन में कनाडा को खरी-खरी सुनाई। आतंकवाद के मुद्दे पर आईना दिखाया। उन्होंने कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी निज्जर हत्याकांड पर मचे राजनयिक और कूटनीतिक घमासान पर कहा कि पिछले कुछ बरसों से कनाडा में आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा का बोलबाला है। इसलिए खटास है। कनाडा के साथ मौजूदा तनाव को गतिरोध नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं इसे गतिरोध कहूं या नहीं। क्योंकि कनाडा ने इस बार आरोप ही कुछ ऐसे लगाए हैं। हमने उनसे कहा है कि भारत सरकार की यह नीति नहीं है। अगर कनाडा हमारे साथ कुछ भी संबंधित जानकारी साझा करता है तो हम इस पर विचार करने के लिए तैयार हैं।'

विदेशमंत्री जयशंकर ने कहा कि जिसकी मौत पर कनाडा हाय तौबा मचा रहा है, वह भारत में हिंसा और अवैध गतिविधियों में शामिल रहा है। कनाडा की सरकार ने निज्जर के बारे में सब कुछ जानते हुए भी उसके प्रत्यर्पण अनुरोध का कभी कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भारत असल में कनाडा के लिए वीजा

निलंबित करना पंसद नहीं करता है। लेकिन कनाडा की हठधर्मिता के कारण हमें ऐसा करना पड़ा।

जयशंकर ने साफ तौर पर कहा कि कनाडाई पक्ष ने हमारे लिए चीजें काफी मुश्किल बना दी हैं। कनाडा में हमारे (भारतीय) राजनयिकों को धमकाया जा रहा है। उन्होंने हमारे राजनयिकों को इस हद तक परेशान कर दिया है कि वह अपना काम तक नहीं कर पा रहे हैं। महत्वपूर्ण यह है कि कनाडा अब तक आतंकी निज्जर की हत्या से संबंधित किसी भी दावे का साक्ष्य पेश नहीं कर सका है।

उन्होंने कहा कि आज कनाडा में हिंसा का माहौल है। डराया-धमकाया जा रहा है। हमारे मिशन पर हमले हो रहे हैं। वाणिज्य दूतावास के सामने हिंसा हो रही है। राजनयिकों के बारे में पोस्टर लगाए जा रहे हैं। क्या यह सामान्य है? मान लीजिए यह सब किसी और देश के साथ होता तो क्या प्रतिक्रिया होती? जयशंकर ने कहा कि कनाडा के मौजूदा हालात को सामान्य नहीं कहा जा सकता।

सिख ग्रंथी ने रचा इतिहास, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की शुरू की कार्यवाही

न्यूयॉर्क । न्यू जर्सी के एक सिख ग्रंथी ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही शुरू करने के लिए प्रार्थना की। न्यू जर्सी के पाइन हिल गुरुद्वारे के ग्रंथी ज्ञानी जसविंदर सिंह ने शुक्रवार को सदन में दिन की कार्यवाही शुरू की। कार्यवाही से पहले प्रार्थना आम तौर पर एक ईसाई पादरी द्वारा की जाती है। सदन के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी ने घोषणा की कि सिंह कार्यवाही शुरू करेंगे। प्रार्थना के तुरंत बाद सदन में बोलते हुए कांग्रेसी डोनाल्ड नॉरक्रॉस ने इसे एक ऐतिहासिक अवसर बताया। वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रार्थना करने वाले पहले सिख पादरी हैं। नॉरक्रॉस ने कहा कि आज बनाया गया इतिहास इस बात की याद दिलाता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका धर्म की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का स्वागत करता है और उसे महत्व देता है और इसके लिए प्रतिबद्ध रहेगा। ज्ञानी सिंह ने आज साउथ जर्सी को गौरवान्वित किया है और उनके साथ इस पल का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

श्रीलंका के बाद बांग्लादेश भी खड़ा हुआ भारत के साथ,

बांग्लादेशी विदेश मंत्री बोले- हत्यारों की पनाहगाह बन चुका है कनाडा

वाशिंगटन (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अलगाववादी खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में पहले भारत पर बेतुके आरोप लगाये फिर अपने आरोपों पर पश्चिमी देशों का समर्थन हासिल करना चाहा लेकिन दोनों ही मामलों में उन्हें ऐसा पलटवार मिला कि वह बगलें झांकने को मजबूर हो गये। भारत ने जहां निज्जर की हत्या में हाथ होने के आरोप को बेबुनियाद करार देते हुए कनाडा को आतंकी तत्वों की सबसे सुरक्षित पनाहगाह करार दे दिया तो पश्चिमी देशों ने भी भारत से सिर्फ जांच में सहयोग करने को कहा। इसके अलावा भारत ने इस मामले को लेकर जो बड़ा कूटनीतिक अभियान छेड़ा उसके परिणाम आने भी लगे हैं। इसके तहत एक तो कनाडा के प्रधानमंत्री के सुर बदल रहे हैं तो दूसरी ओर एक-एक करके कई और देश कनाडा के खिलाफ खड़े हो रहे हैं। हाल ही में हमने देखा कि श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने भारत का साथ देते हुए कनाडा को जमकर लताड़ा था। अली साबरी ने कहा था कि कुछ आतंकवादियों को कनाडा में सुरक्षित ठिकाना मिल गया है। उन्होंने कहा था कि कनाडाई प्रधानमंत्री के पास बिना किसी सबूत के कुछ अपमानजनक आरोप लगाने का यही तरीका है।

अब बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने कनाडा पर जमकर हमले किये हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्री का बयान दर्शाता है कि मोदी सरकार ने वैश्विक कूटनीति का परिदृश्य ही बदल दिया है और अब मुद्दा कोई भी हो, भारत के साथ खड़े होने के लिए विभिन्न देश तुरंत लाइन लगा लेते हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कनाडा की

प्रत्यर्पण नीतियों के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा है कि हालात ऐसे हो गये हैं कि आप अपने देश में मर्डर करके कनाडा भाग जाइये और वहां ऐश की जिंदगी गुजारिये। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के स्वयंभू हत्यारे नूर चौधरी के प्रत्यर्पण से कनाडा बार-बार तमाम तरह के बहाने बनाकर इंकार करता रहा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश का मोस्ट वांटेड कनाडा में ऐश की जिंदगी गुजारता रहा। हम आपको बता दें कि एक विशेष साक्षात्कार में बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने दावा किया है कि कनाडा हत्यारों की पनाहगाह बन गया है। हत्यारे कनाडा जा सकते हैं, शरण ले सकते हैं और शानदार जीवन जी सकते हैं। उन्होंने कहा कि हत्यारों ने जिन्हें मार डाला उनके रिश्तेदार पीड़ित होते हैं लेकिन कनाडा दोषियों को बचाता रहता है। उन्होंने कहा कि कनाडा के पास तमाम तरह के बहाने हैं जैसे वह कहता है कि हम उस देश में किसी का प्रत्यर्पण नहीं कर सकते जहां मृत्युदंड का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि हमारी न्यायपालिका बहुत स्वतंत्र है और सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। लेकिन नूर चौधरी के पास आजीवन कारावास की सजा की गुंजाइश है। अगर वह बांग्लादेश वापस आते हैं, तो नूर चौधरी और राशिद चौधरी, देश के राष्ट्रपति से दया की मांग कर सकते हैं और राष्ट्रपति उनकी दया याचिका मंजूर कर इसे फांसी से उम्रकैद की सजा में बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मानवाधिकार की अवधारणा का दुरुपयोग करते हैं। कनाडा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मानवाधिकार का मुद्दा उठाकर हत्यारों और आतंकवादियों को बचाना फैशन बन गया है।

जहां तक जस्टिन ट्रूडो के तेवर में नरमी आने की बात है तो आपको बता दें कि अब उन्होंने कहा है कि उनका देश भारत के साथ करीबी संबंध स्थापित करने को लेकर ''बहुत गंभीर'' है, क्योंकि उसकी आर्थिक ताकत बढ़ रही है और वह एक अहम भूराजनीतिक भागीदार है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वह चाहते हैं कि भारत खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए कनाडा के साथ मिलकर काम करे।

अमेरिका में कुछ खतरनाक हो रहा है : बाइडन

-ट्रंप की वापसी को लेकर हुई बाइडन को टेंशन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संभावित वापसी को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका में कुछ खतरनाक हो रहा है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। बाइडन ने कहा कि लोकतंत्र तब मर जाता है जब लोग चुप रहते हैं और खड़े नहीं होते। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वह देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखें। एरिजोना में बाइडन ने अपने भाषण में कहा, 'अमेरिका में अब कुछ खतरनाक हो रहा है।' उन्होंने कहा कि 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) एक चरमपंथी आंदोलन है जो हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रहा है। हम सभी को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र को बंदूक की नोक पर नहीं रखना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज की रिपब्लिकन पार्टी एमएजीए रिपब्लिकन चरमपंथियों द्वारा संचालित है।

बाइडन ने ट्रंप के राजनीतिक आंदोलन के लिए संक्षिप्त नाम का उपयोग करते हुए कहा, 'उनका चरम एजेंडा, यदि लागू किया गया, तो अमेरिकी लोकतंत्र की संस्थाओं को मौलिक रूप से बदल देगा।' 2022 के मिड टर्म चुनावों की अगुआई में, बाइडन ने फिलाडेल्फिया के इंडिपेंडेंस हॉल के सामने एक शानदार भाषण दिया, जिसमें एमएजीए ताकतों पर आरोप लगाया गया कि पिछली बार 81 मिलियन लोगों के वोटों को रद्द करने के लिए हर संभव कोशिश की गई थी। बाइडन के मुताबिक, वह (ट्रंप) राष्ट्रपति पद पर वापस इसलिए आना चाहते हैं ताकि वह प्रतिशोध ले सकें। ट्रंप का कहना है कि संविधान ने उन्हें राष्ट्रपति के रूप में जो चाहें करने का अधिकार दिया है।

हालांकि बाइडन ने इस पर कहा, 'मैंने कभी राष्ट्रपतियों को मजाक में ऐसा कहते नहीं सुना। मैं स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण में विश्वास करता हूं। मेरा मानना है कि अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।' बाइडन ने पिछले हफ्ते ब्रॉडवे थिएटर में कहा था, 'कोई सवाल ही नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप और उनके एमएजीए रिपब्लिकन अमेरिकी लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए दृढ़ हैं और मैं हमेशा हमारे लोकतंत्र की रक्षा, सुरक्षा के लिए लड़ाई लड़ूंगा।'

अलास्का में एक साथ युद्ध के मैदान में उतरीं भारत और अमेरिका की सेनाएं

जुनो (एजेंसी)। अमेरिकी राज्य अलास्का में भारत और अमेरिका की सेनाएं एक साथ युद्ध के मैदान में उतरी तो संयुक्त रणनीतिक विश्लेषण और युद्ध कौशल देखते ही बन रहा था। 8 अक्टूबर तक चलने वाले भारत और अमेरिका के संयुक्त युद्धाभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं ने मिलकर अभ्यास किया। इस अभ्यास का लक्ष्य दोनों सेनाओं की ताकत को बढ़ाना और उनके रिश्ते को मजबूत करना है।

अमेरिका और भारत के बीच वार्षिक युद्धाभ्यास के 19वें संस्करण में भारतीय सेना के 350 सैनिकों का दल भाग ले रहा है। भारत की मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट और अमेरिका की ओर से फर्स्ट ब्रिगेड कॉम्बेट टीम की 1-24 इन्फेंट्री बटालियन ने इस संयुक्त युद्धाभ्यास की थीम 'पर्वत व चरम मौसम के हालात में संयुक्त सैनिक समूह की तैनाती' रखी है। इस दौरान दोनों देशों की सैन्य ड्रिल की श्रेष्ठ पद्धतियों और दृष्टिकोण को एक-दूसरे के सामने रखा जाएगा। सैन्य कौशल, युद्ध से जुड़ी इंजीनियरिंग, लड़ाकू कार्रवाइयों के दौरान बाधाएं हटाने और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से युद्ध के तौर-तरीके भी आपस में साझा किये जाएंगे।

दोनों पक्ष टैक्टिकल ड्रिल की शृंखला का अभ्यास करेंगे। यह संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की कार्रवाइयों में दोनों को साथ तैनात करने में मदद करेगा। अभ्यास के बाद चुने हुए विषयों पर अकादमी चर्चाएं होंगी। अपने अनुभवों और श्रेष्ठ कार्य पद्धतियों के बारे में भी आपस में विस्तृत बातचीत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जमीनी युद्धाभ्यास दुश्मन सेना के सामने ब्रिगेड स्तर पर एक मिली-जुली सेना का प्रदर्शन जांचने में मदद करेगा। इससे ब्रिगेड व बटालियन स्तर पर संयुक्त निगरानी प्रणाली की जांच हो सकेगी। इसके अलावा युद्धाभ्यास के दौरान हेलिकॉप्टर या विमानों से सैन्य कार्रवाइयों में सैनिक उतारने व सैन्य ताकत बढ़ाने की क्षमताएं परखी जाएंगी।

हाउस रिपब्लिकन ने शटडाउन से बचने के लिए मैक्कार्थी के बिल को किया खारिज

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी हाउस रिपब्लिकन ने स्पीकर केविन मैक्कार्थी द्वारा समर्थित स्टॉपगैप फंडिंग बिल को खारिज कर दिया, जो सरकार को कम खर्च स्तर पर एक महीने के लिए खुला रखेगा।

शुक्रवार दोपहर कट्टर-दक्षिणपंथी रिपब्लिकन के एक समूह ने सरकारी शटडाउन से बचने के लिए मैक्कार्थी की ओर से पेश बिल को खारिज कर दिया। 165 पन्नों का विधेयक, जिसे सतत प्रस्ताव के रूप में जाना जाता है, 198 से 232 मतों से विफल हो गया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 21रिपब्लिकन सभी डेमोक्रेट के साथ कानून के खिलाफ मतदान में शामिल हो गए।

इससे पहले दिन में, हाउस रिपब्लिकन ने विधेयक को आगे बढ़ाया, क्योंकि शनिवार आधी रात के बाद संघीय सरकार का शटडाउन तेजी से अपरिहार्य प्रतीत होता है। मीडिया आउटलेट ने बताया, अंतिम वोट के बाद, मैक्कार्थी ने कहा कि उनके पास ÷अन्य विचार÷ हैं और आगे का रास्ता तय करने के लिए वह रिपब्लिकन सदस्यों से मिलेंगे। यह पूछे जाने पर कि अगला कदम क्या है, मैकार्थी ने उत्तर दिया÷ 'काम करते रहें और सुनिश्चित करें कि हम इस समस्या का समाधान करें।'

द हिल की रिपोर्ट के अनुसार हाउस रिपब्लिकन के स्टॉपगैप बिल को शुक्रवार सुबह पेश किया गया। इसमें फंडिंग को 31 अक्टूबर तक बढ़ाने और राष्ट्रीय रक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और आपदा राहत के लिए फंडिंग को छोड़कर अधिकांश संघीय एजेंसियों पर लगभग 30 प्रतिशत खर्च में कटौती करने का प्रस्ताव है। . शुक्रवार के स्टॉपगैप बिल में मैक्कार्थी द्वारा जारी किए गए पिछले बिल की तुलना में अधिक खर्च में कटौती की गई है, जो अधिकांश संघीय एजेंसियों के लिए खर्च में 8 प्रतिशत की कटौती करेगा और आव्रजन प्रतिबंधों को कड़ा करेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उस बिल का रिपब्लिकन पार्टी के भीतर रूढ़िवादियों ने विरोध किया, जिन्होंने खर्च में भारी कटौती की मांग की थी।

प्रस्तावित विधेयक में थैंक्सगिविंग से एक सप्ताह पहले, 17 नवंबर तक सरकार को फंड देने की उम्मीद है, फंडिंग का स्तर पहले की तरह ही जारी रहेगा। इसमें यूक्रेन के लिए लगभग 6 बिलियन डॉलर की सहायता और लगभग 6 बिलियन आपदा राहत निधि शामिल है। मैक्कार्थी ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि उन्हें सदन में सीनेट के उपाय के लिए समर्थन नहीं दिख रहा है, जिसका मतलब है कि इसे सदन के पटल पर लाए जाने की बहुत कम संभावना है।

उधर, अमेरिकी सरकार ने गुरुवार को संघीय कर्मचारियों को सूचित करना शुरू कर दिया कि शटडाउन आसन्न लगता है। सरकारी शटडाउन में, सभी गैर-आवश्यक कार्यों को निलंबित कर दिया जाएगा, और कई संघीय कर्मचारियों को छुट्टी दे दी जाएगी। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि सरकारी शटडाउन के प्रत्येक सप्ताह में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में 0.1 प्रतिशत की कमी आएगी।

सर्वेक्षण में भारतीय-अमेरिकी हेली ने बाइडेन को 19 अंकों से हराया

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी पूर्व साउथ कैरोलिना गवर्नर निक्की हेली स्वतंत्र मतदाताओं के बीच व्हाइट हाउस के लिए जो बाडेन को हराने के लिए सर्वश्रेष्ठ रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं। यह बात एक नये सर्वेक्षण से सामने आई है। इस सप्ताह दूसरी रिपब्लिकन बहस से बाहर आने के बाद, हेली ने डेली मेल के लिए जेएल पार्टनर्स के नवीनतम सर्वेक्षण में मौजूदा राष्ट्रपति को दो अंकों 38 प्रतिशत के मुकाबले 40 प्रतिशत से पछाड़ दिया है। 15 से 20 सितंबर तक 1,000 संभावित मतदाताओं के बीच सर्वेक्षण किया गया था। बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट से एक अंक पीछे थे, लेकिन उद्यमी विवेक रामास्वामी और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस से क्रमशः तीन और आठ अंक आगे रहे। हेली की बढ़त निर्दलीय मतदाताओं में सबसे प्रमुख थी। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह में उन्होंने बाइडेन को 19 अंकों से हराया, जो कि रिपब्लिकन पूल में सबसे बड़ा अंतर है।

इस महीने की शुरुआत में जारी हार्वर्ड कैप्स-हैरिस पोल सर्वेक्षण में संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत को राष्ट्रपति जो बाइडेन से आगे पाया गया। जब 2024 में हेली और बाइडेन के बीच एक काल्पनिक मुकाबले के बारे में पूछा गया, तो 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे उनका समर्थन करेंगे, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे वर्तमान राष्ट्रपति का समर्थन करेंगे।

कहा जा रहा है कि बाइडेन की टीम हेली को लेकर चिंतित है। अगस्त में, टीम के करीबी एक वरिष्ठ डेमोक्रेटिक रणनीतिकार ने पोलिटिको को बताया, 'अगर वे निक्की हेली को नामांकित करते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाएंगे।' पोलिटिको अखबार के अनुसार, 'जिस तरह से वह दौड़ रही है, उस तरह से कोई और नहीं दौड़ रहा है।' वह अपने व्यक्तिगत पृष्ठभूमि के मार्मिक अंशों के साथ आप्रवासन पर कड़ी बातचीत को संयमित करती है, 'पहचान की राजनीति' के झोंके के साथ भीड़ को छेड़े बिना अपनी पहचान पर निर्भर रहती है। हिल, एमएसएनबीसी और द वाशिंगटन पोस्ट ने हेली को दूसरे जीओपी का विजेता घोषित किया। इसके बाद हेली कैंपेन ने कहा कि वह अपने विरोधियों की खतरनाक नीतियों की ओर इशारा करने से नहीं कतराती हैं। टिकटॉक के लिए रामास्वामी व चीनी खतरे के प्रति ट्रम्प को आड़े हाथों लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजिंग को सीधा संदेश, भारतीय सेना, अरुणाचल सरकार का तवांग में मेगा कार्यक्रम

ईटानगर। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से बमुश्किल 25 किमी दूर 11,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित पश्चिम अरुणाचल प्रदेश का प्राचीन शहर तवांग इस सप्ताह के अंत में 4,000 से कम लोगों से भरा हुआ है और भारतीय सेना और राज्य प्रशासन ने दो मेगा कार्यक्रम तवांग मैराथन और नेशनल टग ऑफ वॉर चैंपियनशिप आयोजित किए हैं। यहां पहली बार, न केवल सीमा के पास पर्यटन को बढ़ावा देने बल्कि बीजिंग को एक संदेश के रूप में इस कदम को देखा जा रहा है। होटल और सरकारी सर्किट हाउस मेहमानों को लेने की अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंच गए हैं, जबकि तवांग के पुराने और नेहरू बाजार लोगों से भरे हुए हैं, स्मृति चिन्ह खरीद रहे हैं। स्थानीय व्यंजनों का स्वाद ले रहे हैं और बुम ला में सीमा के चीनी पक्ष को देखने के लिए उत्सुक हैं, जिसे खुला रखा गया है। 24 राज्यों और विदेशी देशों से 500 महिलाओं सहित करीब 2,400 लोगों ने रविवार को होने वाली तवांग मैराथन में दौड़ने के लिए पंजीकरण कराया था, यह पूर्वोत्तर में अपनी तरह का पहला और इतने चुनौतीपूर्ण समय में होगा। तीनों सेवाएं सेना, वायु सेना, नौसेना, साथ ही सभी अर्धसैनिक बल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल ने भी इस आयोजन का समर्थन करने के लिए मैराथन धावक भेजे हैं।

दो छात्रों की हत्या पर आलोचना झेल रहे सीएम बीरेन सिंह बोले- जल्द दोषियों को पकड़ा जाएगा

इम्फाल। मणिपुर में दो छात्रों की हत्या को लेकर तनाव बढ़ने पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को लोगों को आश्वासन दिया कि दोषियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से दोषियों को पकड़ लेंगे। सब कुछ जल्द ही ठीक हो जाएगा। इस सप्ताह की शुरुआत में दो छात्रों के शव दिखाने वाली तस्वीरें ऑनलाइन सामने आने के बाद से पूर्वोत्तर राज्य, विशेषकर इंफाल में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य सरकार ने 1 अक्टूबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया। मणिपुर पुलिस के मुताबिक, जांच की शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों छात्र 6 जुलाई को भाग गए होंगे, लेकिन भागते समय एक समुदाय के प्रभुत्व वाले इलाके में फंस गए, जिसके बाद कथित तौर पर उनका अपहरण कर लिया गया और उनकी हत्या कर दी गई। मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। इस बीच, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के लिए इंफाल में मणिपुर पुलिस मुख्यालय में एक बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों को छात्रों के साथ-साथ सुरक्षा कर्मियों की दुर्भाग्यपूर्ण चोटों से अवगत कराया गया।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी ढेर, पुलवामा में आतंकी ठिकानों का भंडाफोड़

श्रीनगर। शनिवार को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक और कोशिश को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भारतीय सेना के साथ एक संयुक्त अभियान में सफलतापूर्वक विफल कर दिया, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने अन्य हथियारों और गोला-बारूद के साथ एक पाकिस्तानी पिस्तौल और पाकिस्तानी मुद्रा में 2,100 रुपये भी बरामद किए। कुपवाड़ा पुलिस के मुताबिक, माछिल सेक्टर के कुमकादिया इलाके में विशेष इनपुट के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। कुपवाड़ा पुलिस ने कहा, 'कुपवाड़ा पुलिस द्वारा दिए गए खुफिया इनपुट के आधार पर, माचल सेक्टर के कुमकाडी इलाके में सेना और पुलिस द्वारा किए गए संयुक्त अभियान में अब तक घुसपैठ करने वाले 2 आतंकवादी मारे गए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है।' पुलिस ने कहा, 'मुठभेड़ स्थल से अब तक 02 अक्स, 4एकेमैग, 90 आरडी, 01 पाक पिस्तौल, 01 पाउच और 2100 रुपये की पाक मुद्रा आदि बरामद की गई है। तलाश जारी है।'

बेंगलुरु पुलिस ने 854 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया, छह लोग गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने 854 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी घोटाले का पर्दाफाश कर एक निवेश योजना की आड़ में देशभर से हजारों लोगों को ठगने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ठगी की कुल रकम में से पांच करोड़ रुपये जब्त कर लिए गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, गिरोह ने पीड़ितों को व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिये अपने जाल में फंसाया। शुरुआत में उन्हें यह कहकर 1,000 रुपये से 10,000 रुपये का निवेश करने के लिए कहा गया कि इससे उन्हें हर दिन 1,000 रुपये से 5,000 रुपये का मुनाफा होगा। अधिकारी के अनुसार, हजारों पीड़ितों ने एक लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये या उससे अधिक राशि निवेश की। उन्होंने बताया कि पीड़ितों द्वारा निवेश की गई धनराशि ऑनलाइन भुगतान के जरिये विभिन्न बैंक खातों में भेजी गई और निवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब पीड़ित धनराशि निकालने की कोशिश करते, तो उन्हें कभी वापस पैसा नहीं मिलता। पुलिस अधिकारी ने बताया कि धनराशि मिलने के बाद आरोपी उसे धन शोधन से जुड़े खातों में भेज देते। उन्होंने बताया कि कुल 854 करोड़ रुपये की धनराशि क्रिप्टो करेंसी (बाइनेंस), पेमेंट गेटवे, गेमिंग ऐप के जरिये विभिन्न ऑनलाइन भुगतान माध्यमों में भेजी गई।

भारत में दफन हुए खालिस्तानी आंदोलन को कनाडा में जमकर मिली हवा

नई दिल्ली। भारत में भले ही खालिस्तानी आंदोलन को दफन कर दिया हो, लेकिन कनाडा में इसे जमकर हवा मिली है। बता दें कि सिखों के लिए भारत से अलग एक अलग राष्ट्र की मांग करते हुए खालिस्तान आंदोलन की शुरुआत हुई थी। भारत पर इसका किसी भी तरह का असर नहीं पड़ा। इस आंदोलन को यहीं पर कुचल दिया गया। लेकिन बीच-बीच में कनाडा में इसकी गूंज सुनाई देती है, जहां भारी संख्या में सिख रहते हैं। कनाडा में आज भी जारी इस खालिस्तान आंदोलन के बारे में काफी कुछ सामने आ रहा है। 4 जून 1985 को कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) की एक निगरानी टीम ब्रिटिश कोलंबिया के शहर डंकन में एक सिख व्यक्ति का पीछा कर रही थी। सिख व्यक्ति एक घर पर रुका, अंदर गया और एक दूसरे व्यक्ति के साथ बाहर निकलकर वे जंगल में चले गए। निगरानी टीम ने जंगल से एक विस्फोट की तेज आवाज़ सुनी। इसके कुछ दिनों के बाद 23 जून, 1985 को कनाडा से उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की दो अलग-अलग फ्लाइट में दो बम विस्फोट हुए। जापान के नरीता में एयर इंडिया फ्लाइट 301 के उतरने के बाद उसमें बम विस्फोट हो गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। दूसरा बम एयर इंडिया फ्लाइट 182 पर उस समय विस्फोट हुआ जब यह टोरंटो से लंदन के लिए उड़ान भर रहा था। विस्फोट के कारण विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गई। इनमें अधिकांश कनाडाई थे। यह कनाडा के इतिहास का सबसे बड़ा आतंकवादी हमला था। हमलों के प्रमुख संदिग्धों में तलविंदर सिंह परमार का नाम शामिल था। 4 जून को सीएसआईएस निगरानी टीम के द्वारा इसका पीछा किया जा रहा था। दूसरा बम बनाने वाला इंद्रजीत सिंह रेयात था, जिसके घर पर परमार जंगल की ओर जाने से पहले रुका था। परमार बब्बर खालसा का नेता था। यह एक ऐसा आतंकवादी संगठन है जो भारत से अलग एक अलग खालिस्तान की मांग कर रहा था। उसकी गतिविधियों पर कनाडाई खुफिया एजेंसी की नजर थी। इसके बावजूद उन्होंने आतंकवादी हमले को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। 13 अक्टूबर 1971 को अखबार में खालिस्तान के जन्म की घोषणा करते हुए एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। विज्ञापन में लिखा था, हम अब और इंतजार नहीं करेंगे। आज हम अंतिम धर्मयुद्ध शुरू कर रहे हैं। हम अपने आप में एक राष्ट्र हैं। इस विज्ञापन का भुगतान पंजाब के पूर्व मंत्री जगजीत सिंह चौहान ने किया था, जो चुनाव हारने के दो साल बाद ब्रिटेन चले गए थे।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए बोले राहुल गांधी,

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार का सेंटर, जातिगत जनगणना की भी मांग की

कालापीपल (शाजापुर) (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने जन आक्रोश यात्रा को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार किसानों को उनकी फसलों के लिए सही कीमत नहीं दे रही है। शाजापुर में भाजपा पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश हिंदूस्तान में भ्रष्टाचार का सेंटर है। जितना भ्रष्टाचार भाजपा के लोगों ने यहां किया है उतना पूरे देश में नहीं किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के फंड, मिड डे मील के फंड चोरी किए। महाकाल कॉरिडोर में भाजपा ने पैसा चोरी किया।

राहुल गांधी ने फिर से जातीय जनगणना की मांग की। उन्होंने कहा कि कानून आरएसएस वाले लोग बनाते हैं, कानून अफसर बनाते हैं, कानून भाजपा के सांसद और विधायक नहीं बनाते। एक और सच्चाई यह है कि हिंदूस्तान को 90 अफसर चलाते हैं... मैं हिंदूस्तान के सभी ओबीसी से पूछता हूं नरेंद्र मोदी कहते हैं कि सरकार में आपकी भागीदारी है.. आप बताइए इन 90 अफसरों में ओबीसी कितने हैं? उन्होंने कहा कि जब मैं सवाल पूछता हूं कि देश में कितने दलित, ओबीसी, आदिवासी, जनरल हैं तो इसका जवाब कोई नहीं दे पाता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि केंद्र में सरकार बनने के बाद हम सबसे पहला काम जातीय जनगणना कराएंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि अब वह समय आ गया है कि हमें हिंदूस्तान का एक्स-रे करना है। यह पता लगाना है कि अगर 90 अफसर देश को चला रहे हैं और उसमें ओबीसी की भागीदारी 5प्र. है तो क्या ओबीसी की आबादी 5प्र. है?... देश में एक ही मुद्दा है जातिगत जनगणना। ओबीसी कितने हैं और उनकी भागीदारी कितनी होनी चाहिए, यही सबसे बड़ा सवाल है। राहुल गांधी ने कहा, 'छत्तीसगढ़ के किसानों से जाकर पूछो कि उन्हें धान की फसल का कितना पैसा मिलता है। हमने जो वादा किया, उसे पूरा किया।÷ उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार किसान टैक्स दे रहे हैं। उन्होंने जीएसटी लागू किया। हमारी सरकार गरीबों और किसानों के लिए काम करती है।

लालू के नेता के बिगड़े बोल, कहा- लिपस्टिक और बॉब कट वाली महिलाओं को मिलेगा महिला आरक्षण का लाभ

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि लिपस्टिक और बॉब-कट हेयर स्टाइल वाली महिलाएं महिला आरक्षण विधेयक के नाम पर आगे आएंगी, जिसे संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित किया गया था। सिद्दीकी का यह बयान तब आया जब वह बिहार के मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर लिपस्टिक और बॉब कट हेयरस्टाइल वाली आगे आएंगी। इसके बजाय सरकार को पिछड़े समुदायों की महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना चाहिए। राजद नेता ने अपने समर्थकों को आगामी लोकसभा चुनाव संपन्न होने तक टेलीविजन और सोशल मीडिया से दूर रहने की भी सलाह दी। अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा, 'आपको अपने दिमाग का इस्तेमाल किए बिना टीवी देखना और सोशल मीडिया पर समय बिताना बंद कर देना चाहिए।' इसके अलावा, सिद्दीकी ने अपने समर्थकों से अपने हिस्से के लिए लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइए हम अपने पूर्वजों के अपमान को याद रखने का संकल्प लें। हम अपने बच्चों को शिक्षित करेंगे और अपने हिस्से के लिए लड़ेंगे।卐 इससे पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को चेतावनी दी कि अगर अन्य पिछड़े वर्ग का हक वे छीनेंगे तो यह वर्ग ईंट से ईंट बजा देगा।

पंजाब में किसानों का 'रेल रोको' आंदोलन तीसरे दिन भी जारी, ट्रेन की आवाजाही प्रभावित

चंडीगढ़ (एजेंसी)। , 30 सितंबर पंजाब में किसानों का 'रेल रोको' आंदोलन शनिवार को तीसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी किसान हाल ही में आई बाढ़ में फसल के नुकसान के लिए मुआवजे, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और व्यापक कर्ज माफी की मांग कर रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आंदोलन की वजह से ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे कुछ ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और कुछ ट्रेनों को गंतव्यों से पहले ही समाप्त किया गया या फिर उनके मार्ग परिवर्तित कर दिये गए है। तीन दिवसीय आंदोलन में शामिल किसान बृहस्पतिवार से ही फरीदकोट, समराला, मोगा, होशियारपुर, गुरदासपुर, जालंधर, तरनतारन, संगरूर, पटियाला, फिरोजपुर, बठिंडा और अमृतसर में रेल पटरियों पर बैठे हुए हैं। आंदोलन की वजह से सैकड़ों की संख्या में रेल यात्री पंजाब और हरियाणा में फंसे हुए हैं।

लुधियाना स्टेशन पर खड़े एक रेल यात्री ने कहा कि वह गोरखपुर जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए सड़क के माध्यम से जालंधर से यहां आए थे लेकिन रेल कब आएगी इसकी कोई जानकारी नहीं है। स्टेशन पर खड़े एक अन्य यात्री ने कहा कि आंदोलन की वजह से अमृतसर से उनकी ट्रेन रद्द हो गई जिससे उनके परिवार के 12 सदस्यों को बिहार जाना था। यात्री ने बताया कि उन्हें बाद में पता चला कि ट्रेन लुधियाना से जाएगी और उनके परिवार को अमृतसर से सड़क मार्ग से आना पड़ा। उन्होंने बताया कि हालांकि ट्रेन के बारे में अभी भी कोई सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि किसानों के आंदोलन से अंबाला और फिरोजपुर रेलवे संभाग प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं।

इस तीन दिवसीय आंदोलन में किसान मजदूर संघर्ष समिति, भारतीय किसान यूनियन (भाकियू-क्रांतिकारी), भाकियू (एकता आजाद), आजाद किसान कमेटी, दोआबा, भाकियू (बेहरामके), भाकियू (शहीद भगत सिंह) और भाकियू (छोटू राम) सहित कई किसान संगठन हिस्सा ले रहे हैं। आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि यह तीन दिवसीय आंदोलन शनिवार को समाप्त होगा।

उन्होंने कहा कि उनकी मांगों में उत्तर भारत में बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए वित्तीय पैकेज, सभी फसलों पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी और किसानों की कर्ज माफी सहित अन्य मांगें शामिल हैं। किसान, उत्तर भारतीय राज्यों के लिए 50 हजार करोड़ रुपये के बाढ़ राहत पैकेज और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों के मुताबिक एमएसपी की मांग कर रहे हैं।

इसके अलावा आंदोलनकारी, किसानों व मजदूरों का पूरा कर्ज माफ करने की भी मांग कर रहे हैं। उन्होंने तीन कृषि कानूनों (जिन्हें अब निरस्त कर दिया गया है) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई उनमें से प्रत्येक के परिवार को 10 लाख रुपये और एक सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग भी रखी है।

सोनिया गांधी को लेकर अकबरुद्दीन ओवैसी के बिगड़े बोल, कहा- कांग्रेस के गुलामों... तुम्हारी अम्मा कहां से आई?

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस और एआईएमआईएम पार्टी के बीच जंग तेज हो गई है। टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी द्वारा असदुद्दीन ओवैसी को 'निजाम, जो एक पहाड़ी पर रहता है'' कहा गया और कहा गया कि वह देखेंगे कि हैदराबाद (संसदीय निर्वाचन क्षेत्र) किसका है, इसके कुछ दिनों बाद, एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर और चंद्रायणगुट्टा विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी की। एक कार्यक्रम में अकबरुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते हैं कि हम महाराष्ट्र से आए हैं और हम बीजेपी की बी टीम हैं। मैं कांग्रेस से पूछ रहा हूं कि अम्मा (सोनिया गांधी) कहां से आ गईं।

अकबरुद्दीन ओवैसी ने आगे कहा कि रेवंत रेड्डी ने सबसे पहले आरएसएस कार्यकर्ता के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी में काम किया। अब वह कांग्रेस के साथ काम कर रहे हैं। अकबरुद्दीन ने आगे कहा कि जो भी सत्ता में है उन्हें एआईएमआईएम नेतृत्व की बात माननी होगी। अकबरुद्दीन ने चेतावनी देते हुए कहा कि बीआरएस या कांग्रेस, जो भी पार्टी तेलंगाना में सत्ता में है, उसे पालन करना चाहिए और हम जो कहते हैं उसे सुनना चाहिए। अन्यथा हम उन्हें उनकी जगह दिखा देंगे। एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को एआईएमआईएम पार्टी से दूर रहना चाहिए, नहीं तो यह उन्हें उनकी असली जगह दिखा देगी।

इससे पहले एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2024 में वायनाड की बजाय हैदराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती क्या दी, पूरा विपक्षी गठबंधन ही ओवैसी के पीछे पड़ गया है। हम आपको बता दें कि अपने संसदीय क्षेत्र हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि राहुल गांधी उनके खिलाफ अगला लोकसभा चुनाव लड़ कर दिखाएं। ओवैसी ने कहा कि बाबरी मस्जिद कांग्रेस के ही कार्यकाल में ढहायी गयी थी इसलिए कांग्रेस पार्टी का मुस्लिम प्रेम महज दिखावा है। उन्होंने कहा कि आजकल यह लोग ओबीसी की बात कर रहे हैं लेकिन यह भी छलावा ही है।

वोट देना है तो दो, माल-पानी नहीं मिलेगा...केंद्रीय मंत्री गडकरी ने लोकसभा चुनाव को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनके लोकसभा क्षेत्र नागपुर में उनके कोई बैनर या पोस्टर नहीं होंगे और लोगों को चाय नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जो लोग उन्हें वोट देंगे वे देंगे, जिन्हें नहीं देना होगा नहीं देंगे। महाराष्ट्र के वाशिम में तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान, गडकरी ने कहा कि वह रिश्वत नहीं लेंगे और किसी को भी ऐसा करने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव के लिए मैंने तय किया है कि कोई भी बैनर या पोस्टर नहीं लगाया जाएगा. लोगों को चाय नहीं दी जाएगी. जिन्हें वोट देना है वे वोट देंगे और जिन्हें नहीं देना है वे नहीं देंगे। न तो रिश्वत लूंगा और न ही किसी को रिश्वत दूंगा। लेकिन, मुझे विश्वास है कि मैं ईमानदारी से आप सभी की सेवा कर सकूंगा। इससे पहले जुलाई में, गडकरी ने एक निजी किस्सा साझा किया था और कहा था कि उन्होंने एक बार चुनाव के दौरान मतदाताओं को मटन उपलब्ध कराया था, लेकिन फिर भी वह हार गए।

संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस रद्द होने पर भड़के वरुण, कहा- कहीं नाम के प्रति नाराजगी लाखों का काम न बिगाड़ दे

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने एक मरीज की मौत के बाद अमेठी के संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने को लेकर शनिवार को उत्तर प्रदेश में अपनी ही पार्टी की सरकार पर कटाक्ष किया। इसे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर ले जाते हुए, वरुण गांधी ने लिखा कि सवाल संजय गांधी अस्पताल के 450 कर्मचारियों और उनके परिवार का ही नहीं, रोज सैकड़ों की संख्या में इलाज कराने वाले सूबे की आम जनता का भी है। उनकी पीड़ा के साथ न्याय 'मानवता की दृष्टि' ही कर सकती है, 'व्यवस्था का अहंकार' नहीं। कहीं 'नाम' के प्रति नाराजगी लाखों का 'काम' न बिगाड़ दे।

इससे पहले वरुण गांधी ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को भी पत्र लिखकर अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने के सरकार के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, 'अमेठी में संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को पूरी तरह से जांच किए बिना निलंबित करना उन सभी व्यक्तियों के साथ अन्याय है जो संस्थान पर निर्भर हैं।' अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था और एक महिला मरीज की मौत के बाद इसे सील कर दिया गया था, जिसे 14 सितंबर को एक छोटे ऑपरेशन के लिए वहां भर्ती कराया गया था।

उनके पति ने आरोप लगाया कि उन्हें एनेस्थीसिया की अधिक मात्रा दी गई, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई और अंततः उनकी मृत्यु हो गई। इसके जवाब में संजय गांधी अस्पताल के चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और अस्पताल को बंद करने का नोटिस जारी किया गया। यूपी सरकार का कहना है कि अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई एक स्थानीय समिति द्वारा मामले की जांच के बाद की गई थी।

उज्जैन की दुष्कर्म पीड़िता से इन्दौर के अस्पताल में मिलने पहुंचे कमलनाथ

-प्रदेश को कलंकित करती है उज्जैन जैसी घटनाएं : पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ

इन्दौर (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ शनिवार सुबह उज्जैन की दुष्कर्म पीड़िता से मिलने के लिए इन्दौर के एमटीएच अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों से बच्ची के स्वास्थ्य की जानकारी ली और करीब 15 मिनट तक अस्पताल में ही रूके।

अस्पताल के बाहर मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होने बताया कि बच्ची की हालत अब ठीक है, लेकिन मानसिक रूप से वह डरी हुई है। मनोरोग विशेषज्ञ उसका इलाज कर रहे है। उज्जैन जैसी घटनाएं प्रदेश को कलंकित करती है। प्रदेश में इस तरह की घटनाएं रोज होती है और ज्यादातर सामने नहीं आती है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन में विगत दिनों 12 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ था। वह उज्जैन की गलियों में खून से लथपथ अर्धनग्न अवस्था में मदद की मांगती रही। कुछ लोगों ने उसे पैसे भी दिए। बाद में एक पंडितजी ने बच्ची को कपड़े दिए और पुलिस को सूचना दी थी। बाद में बालिका से पूछताछ के बाद रिक्शा चालक भरत सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया। बालिका की गुमशुदगी की रिपोर्ट सतना में दर्ज की गई थी। स्वजन उसे मानसिक तौर पर कमजोर बता रहे हैं। बालिका को इलाज के लिए इन्दौर के एमटीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीड़िता से मिलने के बाद कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश अब महिलाओं के खिलाफ अपराध में नंबर वन बन गया है। यहां महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। कमलनाथ ने बताया कि उन्होने इन्दौर के डॉक्टर्स से पूछा कि क्या बच्ची को दिल्ली शिफ्ट करने की जरूरत हो, तो मैंने दिल्ली में उपचार के लिए बात कर ली थी, लेकिन डॉक्टर्स का कहना है कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। बच्ची के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। विदित हो कि शुक्रवार रात को इन्दौर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ गणेश विजर्सन के दौरान इन्दौर की गिट्टी खदान में डूबे बच्चों के परिजनों से मिलने उनके घर कंडिलपुरा भी पहुंचे थे। कमलनाथ शनिवार को इन्दौर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हेलीकाप्टर से शाजापुर जिले की कालापीपल विधानसभा के पोलायकला में जन आक्रोश यात्रा की आमसभा में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

विकलांगता पेंशन के नये नियम सैनिकों के साथ विश्वासघात, पूर्व सैनिक आयोग का गठन किया जाए: खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए विकलांगता पेंशन के नियमों में जो बदलाव किया है, वह देश के सैनिकों के साथ विश्वासघात है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पूर्व सैनिकों की शिकायतों के निवारण के मकसद से एक 'पूर्व सैनिक आयोग' का गठन किया जाए।

खरगे ने विकलांगता पेंशन नियमों में बदलाव की खबर का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमारे बहादुर सशस्त्र बलों के लिए नये विकलांगता पेंशन नियमों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का फर्जी राष्ट्रवाद एक बार फिर दिखाई दे रहा है!' उन्होंने आरोप लगाया, 'लगभग 40 प्रतिशत अधिकारी विकलांगता पेंशन के साथ सेवानिवृत्त होते हैं और वर्तमान नीति परिवर्तन पिछले कई अदालती निर्णयों, नियमों और स्वीकार्य वैश्विक मानदंडों का उल्लंघन होगा।'

खरगे ने कहा कि 'ऑल इंडिया एक्स-सर्विसमेन वेलफेयर एसोसिएशन' ने मोदी सरकार की इस नई नीति का कड़ा विरोध किया है, जो असैन्य कर्मचारियों की तुलना में सैनिकों को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने दावा किया, 'जून 2019 में मोदी सरकार इसी तरह के विश्वासघात के साथ सामने आई थी, जब उसने घोषणा की थी कि वह विकलांगता पेंशन पर कर लगाएगी! मोदी सरकार हमारे जवानों, पूर्व सैनिकों और दिग्गजों के कल्याण के खिलाफ काम करने की आदतन अपराधी है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'अग्निपथ योजना' इस बात की स्पष्ट स्वीकारोक्ति है कि मोदी सरकार के पास हमारे सैनिकों के लिए धन नहीं है। उन्होंने दावा किया, 'वन रैंक, वन पेंशन-2 (ओआरओपी-2) में बड़े पैमाने पर विसंगतियां हैं। शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत बहादुरी से देश की सेवा करने वाले हमारे जवानों से चिकित्सा लाभ/पेंशन छीन लिया गया। आयुध कारखाना बोर्ड का निजीकरण किया गया।' खरगे ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी पूर्व सैनिकों की शिकायतों को दूर करने के लिए जल्द से जल्द एक पूर्व सैनिक आयोग बनाने की अपनी मांग दोहराती है।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में उत्राण-सचिन जीआईडीसी में एसएमसी की छापेमारी

92 लाख रुपये मूल्य का 1.30 लाख लीटर से अधिक बायोडीजल जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में समय-समय पर प्रतिबंधित बायोडीजल पर गाज गिरती रहती है। फिर सूरत में सचिन जीआईडीसी और उत्तराण में स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने छापेमारी की. छापेमारी में 1 लाख लीटर से ज्यादा बायोडीजल जब्त किया गया है. अलग-अलग जगहों से 92 लाख के बायोडीजल समेत कुल 1.20 करोड़ से ज्यादा का सामान जब्त किया गया है. छोटाघाटी में पंप लगाया गया. एसएमसी ने अवैध बायोडीजल बेचने के आरोप में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 6 लोगों को वांछित घोषित किया गया है। पुलिस सोती रही और राज्य मॉनिटरिंग सेल ने सचिन जीआईडीसी और उत्राण पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर चल रहे अवैध बायोडीजल वेप्लस पर छापा मारा। जिसमें अवैध बायोडीजल गतिविधि पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया. जिनके पास से 1.20 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त की गई है. जबकि 1,30,250 लीटर मिलावटी बायोडीजल जब्त किया गया है.

राज्य निगरानी सेल ने दो अलग-अलग पुलिस स्टेशनों की सीमा में चल रहे अवैध बायोडीजल वेपेला का भंडाफोड़ किया है। लग्जरी बसों समेत अन्य वाहनों में मिलावटी बायोडीजल सप्लाई किया जाता था। छोटा हाथी टेंपो पंप से लैस था. उत्तराण पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर गोपिन गांव और रोड नंबर 8 पर सचिन जीआईडीसी के प्लॉट पर छापा मारा गया। सचिन ने जीआईडीसी में पायल इंडस्ट्रीज के प्लॉट पर कब्जा कर लिया था और 3 गाड़ियां जब्त कर ली थीं।

हितेश प्रवीण कोल्डिया, रवि राजमणि मिश्रा, नजीभाई दभुभाई मित्रा और महेश राजाभाई गोयानी को उत्तरान और सचिन जीआईडीसी क्षेत्रों में दोनों स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। जबकि अल्पेश बाबूभाई डोंडा, ललित बाबूभाई डोंडा, संजय मधुभाई ताविया, दीपक मधुभाई ताविया, ट्रैवल्स के मालिक ख्वकड़भाई रबारी और ट्रैवल्स मैनेजर जीतूभाई देवजीभाई खिशिया को वांछित घोषित किया गया है।

नवसारी से 15 लाख के नकली नोट बरामद

पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी गुजरात में नकली नोटों की हेराफेरी के कई मामले सामने आ रहे हैं। 15 लाख के नकली नोट तभी एक पुलिसकर्मी के साथ नकली नोट चलाते हुए वांसदा पुलिस के हत्थे चढ़ गया. ये तस्कर पेट्रोल पंप या होटल मैनेजर से पांच लाख के असली नोट लेते थे और 15 लाख के नकली नोट चुरा लेते थे। इस पूरे घोटाले में एक पुलिसकर्मी द्वारा बंदूक दिखाने और पेट्रोल पंप या होटल प्रबंधकों को धमकाने की जानकारी भी सामने आई है.

वांसदा पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार सूरत से अनावल होते हुए दो गाड़ियों में कुछ लोग 500 रुपए के नकली भारतीय नोट लेकर वांसदा की ओर आ रहे हैं. सूचना के आधार पर वांसदा पुलिस ने नाकाबंदी की थी. सूचना देने वाली दो कारें वहां पहुंचीं तो उन्हें रोका गया और पांचों आरोपियों के पास से 500 रुपये के 2994 नकली नोट मिले. जो भी ग्राहक पहले नकली नोट देना चाहता था, आरोपी उसे असली नोट दे देते थे। इस घोटाले में कुल पांच आरोपी शामिल हैं. जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल योगेश समुद्रे सूरत मुख्यालय में काम करता है. वह वर्तमान में आसाराम मामले में महिला गवाह के सशस्त्र सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं।

आरोपी डुप्लीकेट नोट ऑनलाइन ऑर्डर करते थे या प्रिंटर पर प्रिंट करते थे, रिमांड के दौरान इसकी जांच की जाएगी। आरोपी पेट्रोल पंप या होटल में जाकर मैनेजर से बात करते थे और इसके बदले पांच लाख असली लेने की बात करते थे। 15 लाख. जिसमें डील होने पर सूरत का पुलिस कांस्टेबल आ जाता था जिससे दहशत जैसा माहौल बन जाता था. जिसमें मैनेजर ज्यादातर पुलिस के डर से 15 लाख गिनने लगे और असली 5 लाख देकर मामला रफा-दफा कर दिया. कुछ मामलों में तो पुलिस कॉन्स्टेबल योगेश समुद्रे ने प्रशासकों को सरकारी पिस्तौल दिखाकर धमकाया भी.

सुरत शहर ट्राफिक में 30 मिनिट तक फँसा एम्बुलेंस,प्रमुख पार्क पाडेसरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत शहर में ट्राफिक की समस्याएं दिन-ब-दिन खराब होती जा रही हैं, स्मार्ट सीटी सुरत शहर में जब आधा घंटे से ज्यादा समय तक एम्बुलेंस ट्राफिक में प्रमुख पार्क के पास पांडेसरा मेंफँसा होने के वाबजूद भी कोई समस्या का निराकरण नही होने से सुरत शहर का ट्राफिक मनेजमेंट सिस्टम और टेक्नोलॉजी बेकार साबुत हो रही है,जब एक एम्बुलेंस 30 मिनिट से ज्यादा समय तक ट्राफिक में फंसा होने की जानकारी सुरत पुलिस कंट्रोल को 7.15 मिनिट पर दिया जाता है और सुरत पुलिस पुलिस कंट्रोल विभाग 10.15 मिनिट पर यह कहता हैं की क्या अभी ट्राफिक की समास्या दूर हुआ की नही तो किस प्रकार की कार्यवाही की आशा जनता विभाग के पास रखते है यह जनता समजती हैं, क्यों की यह पब्लिक है सब जनती है

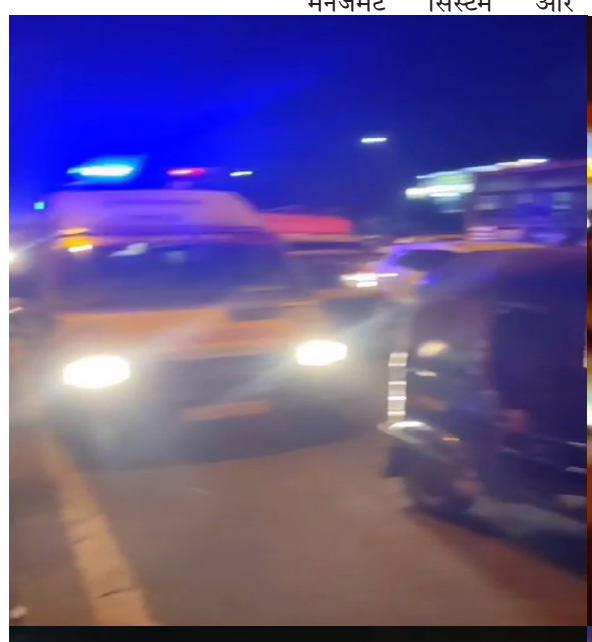

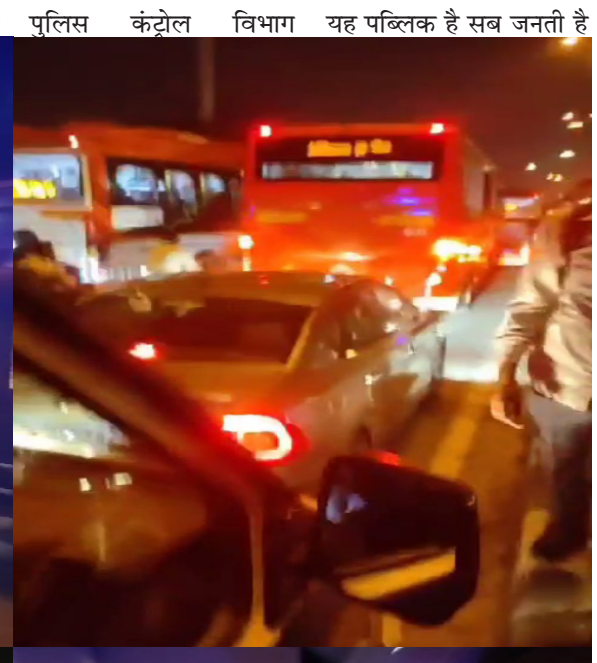

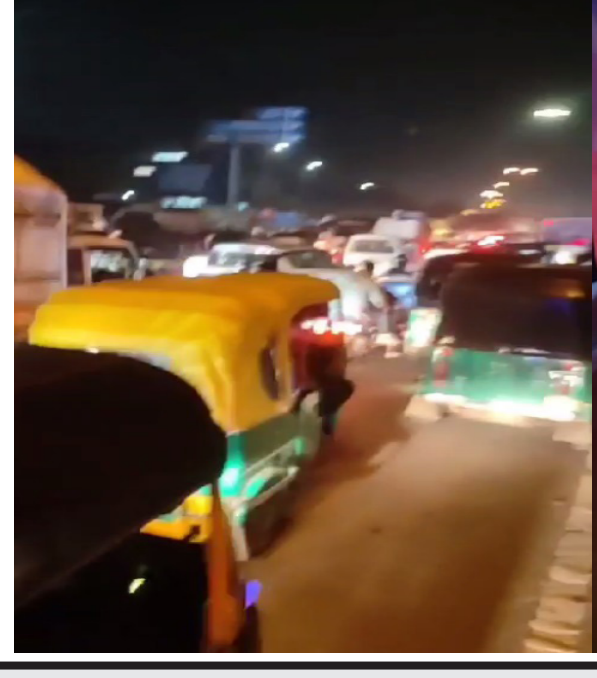

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे